www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 101 || अम्बेडकरनगर
गुरुवार
02 जुलाई 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक
तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:16
सूर्यास्तः 07:04
अधिकतमः 33°00
न्यूनतमः 28°00

पेज 07

विशेष समाचार | दिल्लीः वायु प्रदूषण के साथ ... >> पेज 04 | आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस... >> पेज 06 | 34 की हुई रिया चक्रवर्ती...

सीएम योगी ने सहारनपुर से 'स्कूल चलो अभियान' के दूसरे चरण का किया शुभारंभ

'हर बच्चे को स्कूल पहुंचाना है'

योगी बोले- कैराना हिंदू विहीन हो रहा था, 2017 से पहले सपा की सरकार दंगा कराती थी, बच्चों को खाना परोसा

संबोधन

- बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह बोले- 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने में शिक्षा विभाग निभाएगा अहम भूमिका
- मां शाकुम्बरी की पावन धरती से बच्चों को मिलीं पाठ्य पुस्तकें, बैग व स्टेशनरी, सर्वश्रेष्ठ प्रधानाध्यापक सम्मानित

हेंमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, सहारनपुर, लखनऊ । सीएम योगी बुधवार दोपहर करीब 12 बजे सहारनपुर पहुंचे। यहां उन्होंने 620 करोड़ रुपए की योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। इस मौके पर योगी ने कहा कि 2017 से पहले यहां दंगा होता था। बहन-बेटियां सुरक्षित नहीं थीं। व्यापारी खुद को डरा हुआ महसूस करते थे। कैराना से पलायन हो रहा था। क्षेत्र हिंदूविहीन हो रहा था। मुरादाबाद में 2011-2012 में डीआईजी पर हमला हुआ। सपा सरकार उपद्रवियों का केस वापस ले रही थी। हमारी सरकार में उन सभी को सजा दिलवाई। वो लोग मंदिर की जगह कब्रिस्तान की बाउंड्री बनवाते थे। अब अयोध्या को बदनाम कर रहे हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

यूपी को मिलेगी प्रशासनिक ट्रेनिंग की नई सौगात, 464 करोड़ के अत्याधुनिक 'लोहिया अकादमी' परिसर का लोकार्पण करेंगे सीएम योगी

सपा के गुर्गे पैसा खाते थे, कब्रिस्तान की बाउंड्री बनती थी

योगी ने कहा- यहां मां शाकंभरी देवी एलिवेटेड कॉरिडोर बन रहा है। इससे किसी भी मौसम में श्रद्धालुओं को आवागमन में परेशानी नहीं होगी। बरसात में उन्हें नाले का खतरा नहीं होगा। 2017 के पहले यह एक सपना था। पैसा तब भी था, लेकिन पैसे का उपयोग कहां करना है, इसके लिए विजन नहीं था। या तो गुर्गे खाते थे या कब्रिस्तान की बाउंड्री के लिए चला जाता था। >> (शेष पेज 06 पर)

दावा : सरकार ने वॉट्सएप से यूजरनेम फीचर रोकने को कहा

मेटा को नोटिस, 3 दिन में जवाब मांगा

निर्देश

तमसा संकेत, एजेंसी

- कहा- टेलीग्राम की तरह गलत इस्तेमाल की आशंका

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने भारत में वॉट्सएप का यूजरनेम फीचर फिलहाल लॉन्च नहीं करने को कहा है। न्यूज एजेंसी PTI ने सूत्रों के मुताबिक बताया, सरकार ने मेटा को निर्देश दिया है कि जब तक इस फीचर पर बातचीत पूरी नहीं हो जाती, तब तक इसे भारत में शुरू न किया जाए।

सरकार ने मेटा को नोटिस भी भेजा है और 3 दिन के भीतर इस फीचर पर जवाब मांगा है। सरकार इस फीचर के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। फिलहाल सरकार और मेटा की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। सरकार वॉट्सएप के नए यूजरनेम फीचर की जांच करना चाहती है। सरकार का कहना है कि इस फीचर से पहचान छिपाकर धोखाधड़ी और साइबर फ्रॉड का खतरा काफी बढ़ सकता है। चिंता इस बात को लेकर है कि जब यूजर्स को फोन नंबर छिपाने की आजादी मिल जाएगी, तो जालसाजों के लिए किसी दूसरे के नाम का फर्जी अकाउंट बनाकर लोगों को धोखा देना आसान हो सकता है।

>> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

तमिलनाडु में विजय सरकार गिराने की साजिश

नई दिल्ली । तमिलनाडु में एक्टर विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम के विधायकों को 35 करोड़ रुपए का लालच देकर राज्य सरकार को गिराने की कथित साजिश का दावा किया गया है। राज्य के खुफिया विभाग ने कहा है कि इस योजना को समय रहते नाकाम कर दिया गया।

संशोधन अनुमान

30 दिन जेल में रहे तो पीएम-सीएम की कुर्सी जाएगी

नई दिल्ली । अगर कोई प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री या राज्य मंत्री किसी गंभीर अपराध के मामले में गिरफ्तार होने के बाद लगातार 30 दिन तक न्यायिक हिरासत में रहता है, तो उन्हें पद छोड़ना पड़ सकता है। इससे जुड़े बिलों को सरकार मानसून सत्र में दोबारा पेश कर सकती है।

सूत्रों के मुताबिक 130वें संविधान संशोधन बिल पर बनी संसद की संयुक्त संसदीय समिति (JPC) इससे जुड़े प्रावधानों को हटाने के पक्ष में नहीं है। समिति 17 जुलाई को अपनी रिपोर्ट को मंजूरी दे सकती है।

भारत- पाक की 117 प्रमुख हस्तियों ने मोदी-शहबाज को पत्र लिखा

नई दिल्ली/इस्लामाबाद। भारत-पाकिस्तान के रिश्तों को सुधारने के लिए दोनों देशों की 117 हस्तियों ने पीएम मोदी और पाक पीएम शहबाज शरीफ को चिट्ठी लिखी है। इसमें कहा गया है कि टकराव नहीं, बातचीत का रास्ता चुनिए, ताकि दक्षिण एशिया में शांति और विकास का माहौल बन सके।

जम्मू-कश्मीर में बादल फटा

अरुणाचल में बाढ़, एमपी-बिहार में बिजली गिरने से 8 की मौत

कहर

तमसा संकेत, एजेंसी

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना । जम्मू-कश्मीर को डोडा में बुधवार सुबह 2 बार बादल फटा। भलेसा के कलालगीसर इलाके में बादल फटने से बाढ़ आ गई। ढेर सारा मलबा पहाड़ी से बहकर सड़क पर आ गया। इससे रास्ते ब्लॉक हो गए।

वहीं, अरुणाचल प्रदेश में बाढ़ और लैंडस्लाइड का कहर है। अब तक 4 लोगों की मौत हो चुकी है। अंजॉ जिले के सारती गांव में लैंडस्लाइड में एक व्यक्ति की मौत हुई। इधर, मध्य प्रदेश के हरदा-खरगोन में बिजली गिरने से 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि बैतूल में एक ही परिवार के चार लोग झुलस गए। वहीं, चंपा नदी के उफान में बाइक समेत दो युवक बह गए। बिहार में भी बिजली गिरने से 5 लोगों की मौत हो गई। यूपी के सोनभद्र में मंगलवार शाम 4 बजे पिकनिक मनाने गए 3 लोग बरसाती नाले के तेज बहाव में बह गए। एक ही मौत हुई।

>> (शेष पेज 06 पर)

> मानसून ने बुधवार को पंजाब और हरियाणा में एंट्री कर ली। अब दिल्ली और राजस्थान को छोड़ पूरे देश में मानसून पहुंच गया है। मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि जुलाई में देश के ज्यादातर हिस्सों में सामान्य से कम बारिश हो सकती है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरीः 1 हजार डॉलर भी बरामद, संदूक पर लिखा था- रामराज्य कोष

आरोपी अविनाश के घर 20 लाख मिले

छापेमारी

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या । राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में बुधवार को आरोपी लवकुश मिश्रा और अनुकल्प मिश्रा के घर पुलिस ने छापेमारी की। दस्तावेजों को खंगाला और परिजनों भी पूछताछ की गई। इस बीच, 8 में से 7 आरोपियों के घर बरामदगी का ब्योरा सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे अधिक 20 लाख कैश जेल में बंद अविनाश शुक्ला के पास मिला है। 1121 डॉलर यानी करीब एक लाख 6 हजार रुपए और सोने-चांदी की ज्वेलरी भी बरामद हुई है। टिन्नू के पास से 1 लाख और उसके भतीजे से 2 लाख कैश मिले हैं। >> (शेष पेज 06 पर)

> चंपत राय से 3 घंटे पूछताछ, 17 साल से तैनात आरएमओ का ट्रांसफर

अविनाश शुक्ला
आरोपी

एसआईटी को जांच के लिए 15 दिन का समय मिला

चढ़ावा चोरी मामले की जांच कर रही SIT को सरकार ने 15 दिन का समय और दिया है। सूत्रों के मुताबिक, चढ़ावा चोरी की जांच का दायरा बढ़ाने के लिए ईडी को भी शामिल किया जा सकता है। अयोध्या पुलिस ने लखनऊ में ऑफिसर्स से इसका आग्रह किया है। मंगलवार को पुलिस ने फैजाबाद जेल में बंद सभी आठों आरोपियों से पूछताछ की। >> (शेष पेज 06 पर)

400 निजी सुरक्षाकर्मी भी जांच के घेरे में

राम मंदिर परिसर में तैनात 400 निजी सुरक्षाकर्मी भी जांच के घेरे में हैं। उनकी ड्यूटी, रोस्टर, CCTV, एंट्री-एग्जिट रिकॉर्ड की पड़ताल की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, मंदिर की सुरक्षा का जिम्मा जिस निजी सुरक्षा कंपनी के पास था, वह बिहार के पूर्व सांसद की है। ट्रस्ट इस पर हर महीने 1 करोड़ खर्च करता था। यानी निजी सुरक्षा पर सालाना 12 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे थे।

अखिलेश का तंज : दूध का दूध पानी का पानी हो न हो, जनता का सोना-चांदी वापस मिले

भाजपा अपना नाम भारतीय चीटिंग पार्टी रख ले : अखिलेश यादव

अरमान

तमसा संकेत, लखनऊ । सपा मुखिया अखिलेश यादव 53 साल के हो गए। आज, बुधवार को उनका बर्थडे है। प्रदेशभर में सपा कार्यकर्ता अलग-अलग अंदाज में उनका बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं। काशी में सुबह 7 बजे सपा कार्यकर्ताओं ने हवन-पूजन किया। इसमें एक पोस्टर में अखिलेश को भगवान श्रीकृष्ण की तरह दिखाया है। दोनों हाथ में संविधान है। दोपहर करीब 1 बजे अखिलेश लखनऊ में सपा दफ्तर पहुंचे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मजाकिया लहजे में कहा- हम साल में कई बार जन्मदिन मनाते हैं। जिस दिन केक या लड्डू खाने का मन हो, उस दिन जन्मदिन है। अखिलेश ने पार्टी फंड जुटाने के लिए सहयोग अभियान लॉन्च किया। क्यूआर कोर्ड जारी करते हुए लोगों से 20-20 रुपए चंदा मांगा है। वाराणसी में अखिलेश के जन्मदिन पर राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर जूलूस निकालने का ऐलान करने वाले सपा के प्रदेश सचिव लालू यादव को पुलिस ने हाउस अरेस्ट कर लिया। >> (शेष पेज 06 पर)

योगी बोले- प्रभु श्री राम से दीर्घायु की प्रार्थना

सीएम योगी ने भी अखिलेश को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने X पर लिखा- प्रभु श्री राम से आपके लिए आरोग्यता और दीर्घायु की प्रार्थना है। लखनऊ में अखिलेश के आवास के बाहर किन्नर समुदाय ने ढोल-नंगाड़ों के साथ जमकर डांस किया। रथ यात्रा निकाली।

अखिलेश की एक झलक पाने के लिए 10 हजार कार्यकर्ता पार्टी दफ्तर के बाहर जुटे। उनके बीच अखिलेश से हाथ मिलाने की होड़ मची रही।

अखिलेश ने बर्थडे पर तलवार से काटा केक, विश करने 10 हजार समर्थक पहुंचे, काशी में कृष्ण के स्वरूप में दिखाया

नायरा का पेट्रोल पांच और डीजल 3 सस्ता

भोपाल में एक लीटर पेट्रोल 114 और डीजल 99 का हुआ

राहत

तमसा संकेत, एजेंसी

- नायरा के देश में 7 हजार पेट्रोल पंप, 7% हिस्सेदारी
- ग्लोबल मार्केट में क्रूड ऑयल सस्ता होने से मिली राहत

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी प्राइवेट फ्यूल रिटेलर कंपनी नायरा एनर्जी ने पेट्रोल के दाम में 5 रुपए प्रति लीटर और डीजल में 3 रुपए प्रति लीटर की कमी की है। अब भोपाल में नायरा के पेट्रोल की कीमत 125 रुपए से घटकर 119.79 रुपए और डीजल 106 रुपए से घटकर 102.57 रुपए पर आ गया है। नायरा एनर्जी के देश भर में 7 हजार से ज्यादा पेट्रोल पंप हैं। बाकी कंपनियों के एक लाख से ज्यादा हैं। इस तरह बाजार में इसकी 7% हिस्सेदारी है। नायरा की नई दरें सभी जगह लागू हो गई हैं। हालांकि, अलग-अलग राज्यों में लोकल टैक्स और वैल्यू-एडेड टैक्स की दरें अलग होने की वजह से हर शहर में रिटेल प्राइस में थोड़ा अंतर देखने को मिल सकता है।

>> (शेष पेज 06 पर)

PRESS CLUB AMBEDKAR NAGAR
प्रेस क्लब अम्बेडकर नगर चुनाव 2026
उपाध्यक्ष पद के प्रत्याशी
बृजेन्द्र वीर सिंह
को अपना बहुमूल्य मत दें
मजबूत प्रेस क्लब
सम्मानित पत्रकार
पारदर्शिता, एकजुटता प्रगति
मतदान दिवस
5 जुलाई 2026,
रविवार को मतदान
आपका सहयोग मेरा संकल्प
एकता हमारी शक्ति
अधिकार हमारी प्राथमिकता
सेवा हमारा संकल्प
विकास हमारा लक्ष्य

200 मजदूर चला रहे हथौड़ा, 1860 जवान तैनात, औरंगजेब के जमाने की रंगीले शाह मस्जिद भी तोड़ी जा रही

दालमंडी में 5 मस्जिदें तोड़ी जा रहीं

चौड़ीकरण

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी के दालमंडी में बुधवार सुबह 7:30 बजे से पांच मस्जिदें तोड़ी जा रहीं हैं। दोपहर 3 बजे तक करीब 30-40 प्रतिशत हिस्सा तोड़ा जा चुका है। एक मस्जिद की करीब 20 फीट ऊंची मीनार को गिरा दिया गया है। करीब 200 मजदूर हथौड़ों से ध्वस्तीकरण में जुटे हैं। प्रशासन ने दालमंडी जाने वाले रास्ते को टीन शेड लगाकर बंद कर दिया है।

मौके पर सुरक्षा के लिए करीब 1860 जवान तैनात हैं। इनमें पीएसी की 7 कंपनियां, CRPF की एक बटालियन, RRF की एक बटालियन और स्थानीय पुलिस बल शामिल है। यह कार्रवाई दालमंडी चौड़ीकरण परियोजना के तहत की जा रही है।

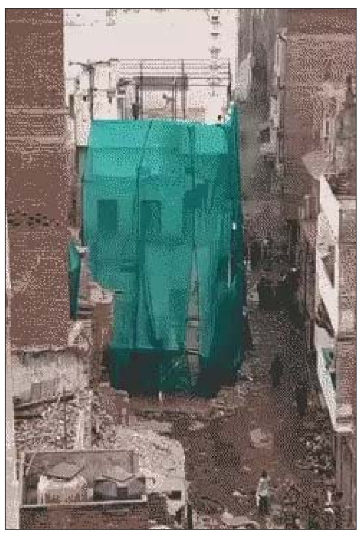

दालमंडी में मस्जिद रंगीले शाह को भी मजदूर तोड़ रहे हैं।

मस्जिद करीमुल्लाह बेग से शुरू हुई कार्रवाई

दालमंडी चौड़ीकरण परियोजना के तहत 181 मकानों के साथ छह मस्जिदें भी प्रभावित हो रही हैं। इनमें लंगड़े हाफिज मस्जिद, निसारन की मस्जिद, रंगीले शाह मस्जिद, अली रजा मस्जिद, संगमरमर मस्जिद और मस्जिद मिर्जा करीमुल्लाह बेग शामिल हैं। लंगड़े हाफिज मस्जिद को छोड़कर बाकी सभी मस्जिदों के प्रबंधन ने चौड़ीकरण के लिए सहमति दे दी थी। मुहर्रम से पहले सभी का सीमांकन और नाप-जोख पूरी कर ली गई थी। मुहर्रम समाप्त होने के बाद बुधवार को फिर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू की गई। डीआईजी शिव हरि मीणा की मौजूदगी में सुबह करीब 7 बजे प्रशासन की टीम दालमंडी पहुंची। सबसे पहले टीन शेड लगाकर रास्ता बंद किया गया। इसके बाद चौक थाने के पीछे स्थित मस्जिद मिर्जा करीमुल्लाह बेग की बाउंड्री तोड़ने की कार्रवाई शुरू हुई। सबसे पहले इसी मस्जिद के चौड़ीकरण की जद में आ रहे हिस्से को हटाया जा रहा है।

200 मजदूर लगाए गए

ध्वस्तीकरण के लिए करीब 200 मजदूर लगाए गए हैं। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए मौके पर 1860 पुलिसकर्मी और प्रशासनिक अधिकारी तैनात हैं। आम लोगों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। ध्वस्तीकरण के दौरान मीडिया कर्मियों को वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी करने से रोका गया। प्रशासन ने किसी भी व्यक्ति को कार्रवाई स्थल के पास रुकने की अनुमति नहीं दी है। पूरे इलाके की निगरानी पुलिस की मौजूदगी में की जा रही है।

दरअसल, दालमंडी चौड़ीकरण परियोजना के तहत 181 मकानों और छह मस्जिदों को हटाया जाना है। अब तक 162 मकानों पर कार्रवाई हो चुकी है। इनमें से 80 मकानों को पूरी तरह जमींदोज किया जा चुका है।

दालमंडी में मस्जिदों को तोड़ने की कार्रवाई शुरू हो चुकी है।

एक बार में 5 हजार से ज्यादा नमाजी करते हैं इबादत

नई सड़क के कपड़ा बाजार में स्थित लंगड़े हाफिज मस्जिद में चांद कमेटी का कार्यालय भी है। मस्जिद की देखरेख ज्ञानवापी मस्जिद का प्रबंधन करने वाली अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी करती है। कमेटी के जॉइंट सेक्रेटरी एसएम यासीन ने बताया कि यह मस्जिद आजादी से पहले की है। यहां जुमे, ईद और बकरीद की नमाज सबसे आखिर में अदा की जाती है। एक समय में 5 से साढ़े 5 हजार लोग यहां नमाज अदा करते हैं।

पश्चिम बंगाल विधानसभा के आमंत्रण पर कोलकाता जाएंगे महाना

तमसा संकेत, संवाददाता

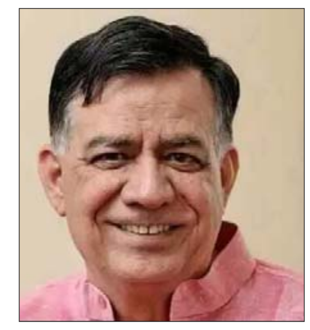

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष श्री सतीश महाना को पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष ने पश्चिम बंगाल विधानसभा में आयोजित होने वाले नवनिर्वाचित विधायकों के अभिमुखीकरण (ओरिएंटेशन) कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया है। पश्चिम बंगाल विधानसभा द्वारा के सहयोग से 3 एवं 4 जुलाई, 2026 को ₹संसदीय परंपराएँ एवं प्रक्रियाएँ₹ विषय पर दो दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल विधानसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों को संसदीय परंपराओं, संसदीय प्रक्रियाओं तथा लोकतांत्रिक मूल्यों के संबंध में विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।

अपने आमंत्रण पत्र में पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष रथीन्द्र बोस ने कहा है कि देश की प्राचीन एवं प्रतिष्ठित विधान संस्थाओं में पश्चिम बंगाल विधानसभा का महत्वपूर्ण स्थान रहा है। संसदीय लोकतंत्र को सुदृढ़ बनाने की दिशा में इस विधानसभा ने समय-समय पर अनेक उल्लेखनीय पहल की हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष श्री सतीश महाना की गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की गरिमा और बढ़ेगी तथा नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को उनके संसदीय अनुभवों का लाभ मिलेगा। महाना ने इस आमंत्रण पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं को अधिक प्रभावी एवं सशक्त बनाने के लिए विभिन्न विधानमंडलों के बीच अनुभवों का आदान-प्रदान अत्यंत आवश्यक है।

फास्ट न्यूज

गोरखपुर में नाला बनने से मकान में पड़ीं दरारें

गोरखपुर । गोरखपुर में नाला निर्माण के दौरान हुई खुदाई से एक परिवार का दो मंजिला मकान और दुकान दरक गए। बुधवार को पीड़ित परिवार ने मकान में पड़ी बड़ी-बड़ी दरारें दिखाते हुए बताया कि घर की नींव कमजोर हो गई है। अब उन्हें हर समय मकान गिरने का डर सता रहा है। परिवार का आरोप है कि सेतु निगम की ओर से कराई जा रही नाला खुदाई के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया।

मक्का सुखाकर लौट रही महिला की छत से गिरकर मौत

हरदोई । हरदोई के लोनार कोतवाली क्षेत्र के गोविंदपुर गांव में बुधवार की दोपहर एक बुजुर्ग महिला की सीढ़ियों से गिरकर मौत हो गई। 65 वर्षीय महिला मक्का सुखाकर छत से लौट रही थीं। उन्हें मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां दोपहर 2 बजे मृत घोषित कर दिया गया।

गोविंदपुर निवासी हाकिम सिंह खेती-किसानी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। उनके तीन बेटे और एक बेटी है। तीनों बेटे आजीविका के सिलसिले में दिल्ली में रहते हैं, जबकि उनकी दो बहुएं गांव में पड़ोस के घरों में रहती हैं।

मिल्कीपुर तहसील में अधिवक्ताओं का धरना-प्रदर्शन

अयोध्या । अयोध्या की मिल्कीपुर तहसील में उपजिलाधिकारी (एसडीएम) पर भ्रष्टाचार और नियमों के विपरीत कार्य करने का आरोप लगाते हुए अधिवक्ताओं ने बुधवार से धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अमित कुमार मिश्रा के नेतृत्व में चल रहे प्रदर्शन के कारण तहसील का न्यायिक कार्य पूरी तरह प्रभावित हो गया।

6 साल बाद रेप मर्डर के आरोपी को फांसी की सजा

मां बोली- अब सूकून मिला, रक्षाबंधन पर भाई रोते हैं

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । 'अब दिल को सुकून मिला, उस दरिंदे को फांसी ही मिलनी चाहिए थी। मेरी 3 साल की इकलौती बच्ची थी। उसके साथ घिनौना काम किया, मार डाला। मेरे दो बेटे हैं। रक्षा बंधन आता है, तो दोनों लड़के बहन को याद कर रोते हैं। बहन होती तो हर साल रखी बांधती।' यह कहना है कि प्रयागराज की रहने वाली उस मां का, जिसकी 3 साल की बच्ची के साथ रिश्तेदार ने ही रेप कर उसे मार डाला था। 2020 में बेटी की लाश देख वह कांपते हुए बेहोश हो गई थी। तब से वह दरिंदगी करने वाले आरोपी को सजा मिलने की प्रार्थना करती रही। पति को कचहरी और वकील के पास भेजती, लौटने पर पूछती कहा हुआ, कबहिं सजा मिली। अब रेप हत्याकांड के 6 साल बाद उस मां की प्रार्थना सुनी गई और 29 जून 2026 को आरोपी को फांसी की सजा सुनाई गई है। बच्ची के पूरे परिवार की आंखों में खुशी के आंसू हैं। कोर्ट से फांसी होने की खबर मिलते ही परिवार वालों ने खासकर मां और भाइयों ने बच्ची की फोटो निकाल उसे निहारना शुरू कर दिया। मंगलवार को परिजनों से बातचीत की।

प्रयागराज के हंडिया इलाके में यह घटना 12 जून 2020 को हुई थी। तीन साल की मासूम बच्ची घर के पास खेल रही थी। तभी रिश्ते में चाचा लगने वाला तब 19 साल का गगन (अब 25 साल) उसे खिलाने लगा। फिर टॉफी दिलाने ले गया।

ट्रस्ट में फेरबदल की तैयारी, नए संतों की एंट्री मिलेगी, जिम्मेदारियां भी बदलेंगी

राम मंदिर चढ़ावा चोरी की रिपोर्ट भागवत को भेजी

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की रिपोर्ट राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (RSS) प्रमुख मोहन भागवत को भेज दी गई है। यह रिपोर्ट पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्र प्रचारक अनिल कुमार ने तैयार की है। संघ प्रमुख के कहने पर उन्होंने अयोध्या में तीन दिवस प्रवास किया था। सूत्रों के अनुसार, क्षेत्र प्रचारक ने अपनी रिपोर्ट में राम मंदिर की व्यवस्थाओं, ट्रस्ट की कार्यप्रणाली और चढ़ावा चोरी का पूरा ब्योरा दिया है। अयोध्या में 6 जुलाई को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बड़ी बैठक होने वाली है। दावा किया जा रहा है कि संघ की रिपोर्ट के आधार पर आने वाले दिनों में कई अहम फैसले लिए जा सकते हैं। सूत्रों का कहना है कि दान और व्यवस्थाओं से जुड़े विवादों के बाद संघ ने ट्रस्ट पदाधिकारियों से दूरी बनाने का मन बना लिया है। ट्रस्ट से जुड़े कुछ चेहरों की भूमिका और जिम्मेदारियों की समीक्षा की जा रही है। बताया जा रहा है कि कुछ पदाधिकारियों के अधिकार सीमित करने और नई जिम्मेदारियां तय करने पर चर्चा चल रही है। चंपत राय और अनिल मिश्र के इस्तीफे के बाद अब गोपाल राव को लेकर 6 तारीख की बैठक में फैसला हो सकता है। दूसरा प्रमुख नाम श्रीरामवल्लभाकुंज के प्रमुख स्वामी राजकुमार दास महाराज का है।

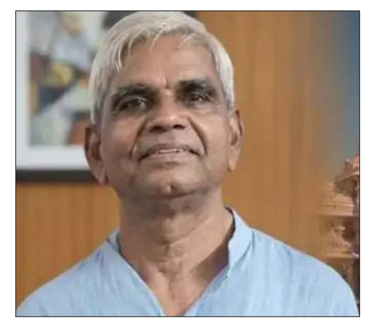

यह तस्वीर ट्रस्ट सदस्य कृष्ण मोहन की है। ट्रस्ट में इनको बड़ी जिम्मेदारी देने पर चर्चा हो रही है।

अयोध्या के संत समाज में जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी वासुदेवाचार्य विद्याभास्कर का नाम सबसे ऊपर माना जा रहा है। वे देश के प्रतिष्ठित वैदिक विद्वानों में गिने जाते हैं और रामानुज परंपरा के प्रमुख संतों में उनकी पहचान है। संत समाज में उनकी स्वीकार्यता भी व्यापक मानी जाती है।

ट्रस्ट के पुनर्गठन का ब्लूप्रिंट तैयार

सूत्रों के अनुसार 15 सदस्यीय श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पुनर्गठन पर भी विचार शुरू हो गया है। चर्चा इस बात की है कि ट्रस्ट में संत समाज की भागीदारी को और मजबूत किया जाए। बताया जा रहा है कि पश्चिम भारत, विशेषकर नासिक क्षेत्र से जुड़े संघ की पृष्ठभूमि वाले एक प्रतिष्ठित धर्माचार्य के नाम पर विचार चल रहा है। इसके साथ ही अयोध्या के किसी प्रमुख संत को भी ट्रस्ट में शामिल करने का प्रस्ताव चर्चा में है।

वे मणिराम दास छावनी से जुड़े हैं और संत समाज में उनकी छवि संयमित, शांत और विवादों से दूर रहने वाले संत की रही है। श्रद्धालुओं के बीच उनकी लोकप्रियता और संगठन के साथ उनके अच्छे संबंधों को भी उनकी ताकत माना जा रहा है। ट्रस्ट सदस्य कृष्णमोहन का नाम भी इन दिनों चर्चाओं के केंद्र में है।

सांस लेने में तकलीफ के बाद आईसीयू में भर्ती, डॉक्टरों की निगरानी में इलाज जारी

राम मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष नृत्य गोपाल दास की तबीयत बिगड़ी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल के निदेशक डॉ. राकेश कपूर के अनुसार, 89 वर्षीय महंत को 29 जून की दोपहर अचेत अवस्था में अस्पताल लाया गया था। जांच में उन्हें सांस लेने में तकलीफ और मूत्र मार्ग संक्रमण (यूटीआई) की पुष्टि हुई। फिलहाल उन्हें ICU में भर्ती कर क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ डॉ. दिलीप और उनकी टीम की निगरानी में रखा गया है। महंत नृत्य गोपाल की तबीयत इसके पहले जनवरी के महीने में भी बिगड़ गई थी तब लखनऊ के मेदांता अस्पताल में उनका इलाज चला था। हालांकि, वो ठीक हो गए थे। मेदांता अस्पताल में उनके भर्ती होने पर सीएम योगी आदित्यनाथ उनसे मिलने गए थे और डॉक्टरों से उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली थी। उन्होंने भूमि पूजन, राम मंदिर निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में मौजूद रहकर प्रमुख योगदान दिया। वह 88 वर्ष के हैं और पहले भी कई बार उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया जा चुका है। बुधवार सुबह मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी मेदांता पहुंचे। उन्होंने महंत का हालचाल लिया। उन्होंने महंत की सेहत को लेकर डॉक्टरों से भी बात की है। इस दौरान सीएम योगी ने भी डॉक्टरों से महंत के स्वास्थ्य को लेकर अपडेट लिया है।

राम मंदिर निर्माण के लिए समर्पित किया अपना जीवन

महंत नृत्य गोपाल दास राम मंदिर आंदोलन के प्रमुख संतों में से एक हैं। वे राम मंदिर आंदोलन से शुरुआती दिनों से ही जुड़े रहे और अपना पूरा जीवन राम मंदिर निर्माण के लिए समर्पित कर दिया। वह 1986 में राम जन्मभूमि मुक्ति यज्ञ समिति के उपाध्यक्ष बने। 1992 के बाद राम जन्मभूमि न्यास (वीएचपी द्वारा गठित) के प्रमुख बने और 2006 में बने।

महंत नृत्य गोपाल दास श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के वे वर्तमान अध्यक्ष हैं। राम मंदिर आंदोलन के दौरान कोर्ट-कचहरी, सड़क आंदोलन और संत-समाज को एकजुट करने में उनकी अग्रणी भूमिका रही। उन्होंने मणिराम दास छावनी के महंत के रूप में सैकड़ों साधुओं को संगठित किया।

सरयू में डूबने से पांच महिलाओं-किशोरियों की मौत

अयोध्या । अयोध्या जिले के रौनाही थाना क्षेत्र के सनाहा गांव के पास सरयू नदी में मंगलवार को हुए हादसे में पांच महिलाओं और किशोरियों की मौत हो गई। 1 जुलाई बुधवार दोपहर बाद पुलिस और स्थानीय गोताखोरों ने दो लापता किशोरियों के शव भी बरामद कर लिए, जिसके बाद मृतकों की संख्या पांच हो गई।

जानकारी के अनुसार, मंगलवार दोपहर गांव की कुछ महिलाएं और किशोरियां सरयू नदी किनारे घूमने गई थीं। इसी दौरान मीरापुर रुदौली निवासी 35 वर्षीय शाहीन पत्नी मेराज नदी में नहाने के लिए उतरीं। गहरे पानी में पहुंचने से वह डूबने लगीं। शाहीन को बचाने के प्रयास में 16 वर्षीय नाजिया पुत्री अकरम, 15 वर्षीय रशीदा पुत्री रशीद, 18 वर्षीय मरियम पुत्री असलम तथा अन्य महिलाएं नदी में उतर गईं। एक-दूसरे को बचाने के प्रयास में सभी तेज बहाव और गहरे पानी की चपेट में आ गईं।

झांसी में दो मंजिला पेंट शॉप में भीषण आग

बाजार की 300 से ज्यादा दुकानें बंद कराईं

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी । झांसी में बुधवार शाम 5 बजे दो मंजिला बिल्डिंग में भीषण आग लग गई। लपटें करीब 25 फीट ऊंची उठ रही हैं। धुएं का गुबार करीब एक किलोमीटर दूर से नजर आ रहा है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आग चौधरी पेंट हाउस नाम की दुकान में लगी थी। पेंट और केमिकल्स की वजह से आग कुछ ही मिनटों में भीषण हो गई। दुकान में सीलपैक पेंट के डिब्बे बम की तरह ब्लास्ट हो रहे हैं। लपटों ने दोनों इमारतों को चपेट में ले लिया है। बाजार की करीब 300 से ज्यादा दुकानें बंद करा दी गई हैं। व्यापारी भी मौके पर मौजूद हैं। राहत-बचाव का काम जारी है। अफसर भी मौके पर पहुंचे हैं। फायरब्रिगेड की 8 गाड़ियों से आग पर काबू करने का प्रयास किया जा रहा है। सौरभ कुमार ने बताया- आग लगभग 4:00 बजे के आसपास लगी थी। लगातार ब्लास्ट जैसी आवाजें आ रही हैं। दमकल की 10-12 गाड़ी आ चुकी हैं। आग बुझाने का काम बड़ा जोर-शोर से चल रहा है। लेकिन उसका कुछ रिजल्ट नहीं निकल रहा। अगल-बगल की जो दुकान हैं, वो भी खाली करवा दी गईं हैं। दुकानों में छेद करके वहां से भी पानी डाला जा रहा है, लेकिन कोई फायदा नहीं हो रहा।

श्याम चौरसिया ने बताया- आग बड़े बाज़ार में गाँधी रोड पर लगी है। बाजार में चौधरी साहब हैं पेंट वाले। उनकी दुकान पर आग लगी हुई है।

खुलासा : आहूजा दंपति गैंग के मेंबर, 1000 पन्नों की चार्जशीट में 40 गवाह बनाए

12वीं पास रोहित अवैध किडनी ट्रांसप्लांट गिरोह का सरगना

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । कानपुर में किडनी ट्रांसप्लांट मामले में 14 आरोपियों के खिलाफ रावतपुर पुलिस ने एक हजार पन्नों की चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की है। हालांकि पुलिस ने चार्जशीट कब दाखिल की गई यह नहीं बताया लेकिन मामला मंगलवार रात साढ़े 11 बजे के बाद सामने आया है।

चार्जशीट में मुजफ्फर नगर की रेसीपिएंट पारुल तोमर, डोनर आयुष कुमार चौधरी, एसीएमओ रमित रस्तोगी, हैलट अस्पताल व लखनऊ के राममनोहर लोहिया हॉस्पिटल के कुल 10 डॉक्टरों समेत 40 लोगों को गवाह बनाया गया है। वहीं पुलिस ने मुकदमें में संगठित गिरोह की धाराएं बढ़ाई है। गिरोह का सरगना इंटर पास रोहित तिवारी को बनाया गया है, जबकि डॉ. प्रीति आहूजा उनके पति डॉ. सुरजीत आहूजा समेत अन्य लोग गैंग मेंबर बनाए गए है। डीसीपी वेस्ट एसएम कासिम आबिदी ने बताया कि पूरे मामले की इन्वेस्टिगेशन रावतपुर थाने में तैनात दरोगा मनोज कुमार विश्वकर्मा कर रहे थे। डॉक्टर दंपत्ति प्रीति आहूजा, सुरजीत आहूजा समेत 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था, जबकि ओटी टेक्नीशियन मुदस्सर अली सिद्दीकी उर्फ डॉ. अली ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया था।

डॉ. अफजल, फरार आरोपी

जांच में सामने आया था कि किडनी ट्रांसप्लांट करने के लिए लखनऊ और दिल्ली से डॉक्टरों की टीम आती थी। देश के अलग-अलग राज्यों से युवकों को जाल में फंसाकर किडनी का सौदा किया जाता था।

यह दस्तावेज कोर्ट में अहम साबित होंगे

डीसीपी वेस्ट ने बताया कि आयुष और पारुल दो बार ट्रेन के जरिए कानपुर आए थे। जिसकी उन्होंने टिकट उन्होंने ऑनलाइन बुक की थी। डोनर, रेसीपिएंट के दोनों टिकट चार्जशीट में शामिल किए गए है। इसके साथ ही ट्रांसप्लांट के दौरान पारुल अपने पति विकास व भाई दिव्यांक के साथ बिठूर रोड पर स्थित सत्यम होटल में रुके थे। पुलिस ने होटल रजिस्टर व आधार कार्ड की फोटो कॉपी को भी सबूत बनाया है।

साथ ही गिरफ्तार आरोपियों की बीच हुई बातचीत की कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर), आयुष और शिवम अग्रवाल के बीच हुई बातचीत की वाट्सएप चैट के स्क्रीनशॉट, एजेंट शिवम के मोबाइल से मिले ऑडियो, वीडियो को एविडेंस के रूप में कोर्ट में सबमिट किया गया है।

भाई ने 17 साल की बहन को मार डाला मेरठ में अकेले पुलिस चौकी पहुंचा

बोला- नाक कटवा दी थी, गला घोंट दिया

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ । मेरठ में मंगलवार शाम करीब 4 बजे 16 साल के भाई ने अपनी 17 साल की बहन की गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद अकेले चलकर करीब 500 मीटर दूर पुलिस चौकी पहुंचा। पुलिसवालों से कहा- मैंने अपनी बहन की हत्या कर दी है। वह 6 महीने से अपनी ससुराल नहीं जा रही थी। पड़ोस में रहने वाले एक लड़के से उसका अफेयर चल रहा था।

इससे समाज में हमारे परिवार की बेइज्जती हो रही थी। 28 जून (रविवार) की सुबह करीब 6 बजे वह अपने बॉयफ्रेंड के साथ भाग गई थी। इससे गांववाले हम लोगों को ताने मार रहे थे। उसकी वजह से समाज में हमारी नाक कट गई। बिरादरी के लोग तंज कसते थे।

मंगलवार सुबह 9 बजे बहन घर लौटी। इसके बाद शाम को मैंने उसे मार डाला। भाई के इस कबूलनामे के बाद पुलिस उसके घर पहुंची। वहां घर के अंदर कमरे में बहन की लाश पड़ी थी। पुलिस ने उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। घटना लोहियानगर थाना क्षेत्र की है। इसके बाद गांव में पंचायत हुई। इसमें घरवालों ने कहा कि लड़के को बहन से निकाह करना होगा। अगर निकाह नहीं किया, तो पुलिस केस किया जाएगा। केस के डर से लड़के के घरवाले निकाह के लिए तैयार हो गए। भाई ने बताया- 15 साल की उम्र में बहन का निकाह उसी लड़के से कर दिया गया था। करीब 6 महीने पहले बहन ससुराल से मायके आ गई।

लड़की का 15 साल की उम्र में निकाह हुआ था

CO संग्राम सिंह ने बताया कि हुमायूंनगर के रहने वाले कारपेंटर का बेटा मंगलवार शाम करीब 4 बजे फतेहउल्लापुर पुलिस चौकी पहुंचा। उसने पुलिस को बहन की हत्या करने की बात बताई।

इसके बाद पुलिस उसके साथ उसके घर पहुंची। घर के अंदर एक कमरे में उसकी बहन का शव जमीन पर पड़ा था। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर साक्ष्य जुटाए।

स्वास्थ्य और पोषण की दोहरी मुहिम शुरू

अभियान

अम्बेडकरनगर में जुलाई से घर-घर पहुंचेगा जागरूकता अभियान

- कलेक्ट्रेट से रवाना हुई जागरूकता रैली, संचारी रोग नियंत्रण के साथ मातृ-शिशु पोषण पर भी रहेगा विशेष फोकस

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। जिले में संचारी रोगों की रोकथाम और मातृ-शिशु पोषण को लेकर बुधवार से दो बड़े अभियान एक साथ शुरू हो गए। कलेक्ट्रेट परिसर से कैबिनेट मंत्री एवं जनपद के प्रभारी मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान, दस्तक अभियान और सम्भव अभियान 6.0 का शुभारंभ करते हुए जागरूकता रैली और प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुंदर वर्मा (साधु वर्मा), कटेहरी विधायक धर्मराज निषाद, जिलाधिकारी ईशा प्रिया, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रमोद कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान अभियान से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों को संचारी रोग नियंत्रण और पोषण सुरक्षा की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि संचारी रोगों और कुपोषण जैसी चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय और जनसहभागिता जरूरी है। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा और एएनएम से अभियान को हर गांव और प्रत्येक पात्र परिवार तक पहुंचाने पर जोर दिया।

गर्भवती महिलाओं और छह वर्ष तक के बच्चों पर विशेष ध्यान

महिला एवं बाल विकास विभाग के अनुसार, सम्भव अभियान 6.0 की थीम 'गर्भावस्था से बाल्यावस्था तक पोषण सुरक्षा' है। अभियान का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं और जन्म से छह वर्ष तक के बच्चों को बेहतर पोषण और स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ना है। इसके तहत संतुलित आहार, नियमित स्वास्थ्य जांच, एनीमिया की रोकथाम, स्तनपान, पूरक आहार और जीवन के पहले 1000 दिनों के महत्व पर व्यापक जागरूकता चलाई जाएगी। साथ ही गृह भ्रमण, पोषण परामर्श, ग्राम स्तरीय कार्यक्रम और सामुदायिक गतिविधियों के जरिए पात्र परिवारों तक सेवाओं की पहुंच बढ़ाई जाएगी।

एक माह रोग नियंत्रण, तीन माह पोषण सुरक्षा पर अभियान

विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान और दस्तक अभियान 1 जुलाई से 31 जुलाई तक चलेंगे। वहीं सम्भव अभियान 6.0 1 जुलाई से 30 सितंबर तक संचालित होगा। दोनों अभियानों के तहत स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, पंचायती राज और अन्य विभाग मिलकर जनजागरूकता गतिविधियां संचालित करेंगे। अभियान के दौरान प्रचार रथ, जागरूकता रैली और विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को संचारी रोगों की रोकथाम, साफ-सफाई और स्वास्थ्य संबंधी जरूरी जानकारियां दी जाएंगी।

‘भावी ब्लॉक प्रमुख’ संदेश ने बढ़ाई अम्बेडकरनगर की राजनीति में सरगर्मी

भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष के स्वागत में लगे पोस्टर पर नामांकन शैली का संदेश

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिले की राजनीति में इन दिनों एक होर्डिंग चर्चा का केंद्र बनी हुई है। भारतीय जनता पार्टी के अवध क्षेत्रीय अध्यक्ष के स्वागत में लगाए गए पोस्टरों में एक होर्डिंग पर “रीता सिंह पत्नी महेंद्र सिंह, भावी ब्लॉक प्रमुख” लिखा होने से राजनीतिक हलकों में हलचल तेज हो गई है।

यह होर्डिंग सामने आने के बाद जिले से लेकर राजधानी लखनऊ तक चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। कई लोग इसे सामान्य स्वागत संदेश मानने के बजाय संभावित राजनीतिक संकेत के रूप में देख रहे हैं। रीता सिंह, निलंबित जेल सिपाही महेंद्र सिंह की पत्नी बताई जाती हैं। भाजपा कार्यक्रम से जुड़े पोस्टर में उनका नाम “भावी ब्लॉक प्रमुख” के रूप में सामने आने के बाद यह मामला और सुर्खियों में आ गया है।

स्थानीय स्तर पर यह होर्डिंग केवल स्वागत सामग्री नहीं, बल्कि संभावित राजनीतिक तैयारी का संकेत मानी जा रही है। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि बड़े राजनीतिक आयोजनों में लगाए जाने वाले पोस्टर और संदेश अक्सर सोच-समझकर तैयार किए जाते हैं। ऐसे में “भावी ब्लॉक प्रमुख” जैसे शब्दों को साधारण नहीं माना जा रहा है।

हालांकि रीता सिंह या उनके परिवार की ओर से किसी चुनावी दावेदारी को लेकर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

जिले में पहले से ही ब्लॉक प्रमुख और पंचायत स्तर की राजनीति में सक्रियता बढ़ी हुई है। ऐसे में इस होर्डिंग ने स्थानीय राजनीतिक समीकरणों को और अधिक चर्चाओं में ला दिया है।

भाजपा के स्थानीय कार्यकर्ताओं के बीच भी इस पोस्टर को लेकर अलग-अलग राय सामने आ रही है। कुछ इसे व्यक्तिगत स्तर की पहल बता रहे हैं, जबकि कुछ इसे भविष्य की रणनीति से जोड़कर देख रहे हैं। अवध क्षेत्रीय अध्यक्ष अवधेश द्विवेदी के स्वागत कार्यक्रम से जुड़ा यह पोस्टर अब पूरे जिले में चर्चा का विषय बन गया है। राजनीतिक हलकों में इसे लेकर “साइलेंट पॉलिटिकल लॉन्च” जैसी चर्चाएं भी शुरू हो गई हैं।

हालांकि, इस पूरे मामले में किसी भी स्तर पर आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

फास्ट न्यूज

‘भावी ब्लॉक प्रमुख’ संदेश ने बढ़ाई राजनीति में सरगर्मी

अम्बेडकरनगर। जिले की राजनीति में इन दिनों एक होर्डिंग चर्चा का केंद्र बनी हुई है। भारतीय जनता पार्टी के अवध क्षेत्रीय अध्यक्ष के स्वागत में लगाए गए पोस्टरों में एक होर्डिंग पर “रीता सिंह पत्नी महेंद्र सिंह, भावी ब्लॉक प्रमुख” लिखा होने से राजनीतिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। यह होर्डिंग सामने आने के बाद जिले से लेकर राजधानी लखनऊ तक चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है।

सड़क हादसे में बच्चे की मौत पर शोक जताने पहुंचे राहुल दत्त यशवर्धन

अम्बेडकरनगर। आलापुर विधानसभा क्षेत्र के न्यौरी गांव में सड़क हादसे में आठ वर्षीय बच्चे की मौत के बाद बुधवार को समाजवादी पार्टी के युवा नेता एवं अधिवक्ता राहुल दत्त यशवर्धन पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे। उन्होंने परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की और परिवार को सांत्वना दी। जानकारी के अनुसार, न्यौरी निवासी अब्दुल वाकिद के आठ वर्षीय पुत्र मोहम्मद अफ्फान की मंगलवार शाम जलालपुर रोड पर हुए सड़क हादसे में मौत हो गई थी। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है।

डंपिंग ग्राउंड गेट निर्माण में गुणवत्ता पर सवाल

अम्बेडकरनगर। बनगांव कचना स्थित डंपिंग ग्राउंड में गेट निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर स्थानीय लोगों ने सवाल उठाए हैं। निर्माण में कथित तौर पर पीली ईंट के उपयोग को लेकर ग्रामीणों ने सरकारी धन के दुरुपयोग का आरोप लगाया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण कार्य में मानक के अनुरूप सामग्री का उपयोग नहीं किया जा रहा है।

इलाज से आगे बढ़कर इंसानियत को सलाम

उत्कृष्ट योगदान देने वाले चिकित्सक हुए सम्मानित

तमसा संकेत, संवाददाता

- राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर राजकीय मेडिकल कॉलेज में सजा सम्मान का मंच

अम्बेडकरनगर। मरीजों की जिंदगी बचाने की जिम्मेदारी निभाने वाले चिकित्सकों के सम्मान में बुधवार को राजकीय मेडिकल कॉलेज के सरदार वल्लभभाई पटेल प्रेक्षागृह में राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस का भव्य आयोजन हुआ। समारोह में चिकित्सा सेवा, मेडिकल शिक्षा और आधुनिक तकनीक के बदलते स्वरूप पर विस्तृत चर्चा हुई। साथ ही विभिन्न विभागों के उत्कृष्ट कार्य करने वाले चिकित्सकों और चिकित्सा शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रमोद कुमार, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. पी. एन. यादव, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रामानंद सिद्धार्थ, एनटीपीसी अस्पताल की मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. मनीषा पांडेय सहित मेडिकल कॉलेज के वरिष्ठ चिकित्सक, शिक्षक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलन, चिकित्सक दिवस के जनक डॉ. बी. एन. राय के चित्र पर माल्यार्पण और सरस्वती वंदना के साथ हुआ।

सहकारी समिति का निरीक्षण

कृषि मंत्री ने खाद वितरण व्यवस्था की जमीनी हकीकत परखी

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने मंगलवार को साधन सहकारी समिति औरंगनगर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उर्वरक वितरण व्यवस्था, स्टॉक और किसानों तक आपूर्ति की स्थिति की जानकारी ली।

मंत्री ने मौके पर मौजूद किसानों से भी बातचीत की। उन्होंने किसान रामचेत, फूलचंद्र, हरिप्रसाद, रामजगत, अनिल कुमार और भीष्म द्विवेदी सहित कई किसानों से फोन पर बात कर खाद की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था का फीडबैक लिया। निरीक्षण के बाद कृषि मंत्री ने कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ खाद, बीज और कृषि योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। उपकृषि निदेशक डॉ. अश्विनी कुमार सिंह ने बताया कि जिले में यूरिया, डीएपी, एनपीके और एसएसपी का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। अधिकारियों के अनुसार सहकारिता और निजी क्षेत्र में वर्तमान में यूरिया 22,628 मीट्रिक टन, डीएपी 3,961 मीट्रिक टन, एनपीके 3,062 मीट्रिक टन, एसएसपी 15,044 मीट्रिक टन और एमओपी 119 मीट्रिक टन उपलब्ध है। जून माह तक निर्धारित लक्ष्य से अधिक उर्वरक उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। समीक्षा के दौरान बीज वितरण की स्थिति भी प्रस्तुत की गई। अधिकारियों ने बताया कि किसानों को धान, उड़द, अरहर और ढैंचा के बीज वितरित किए गए हैं। इसके साथ ही श्री अन्न, दलहन और तिलहन की मिनी किटों का भी वितरण किया गया है।कृषि मंत्री ने किसानों से अपील की कि मौसम विभाग की कम वर्षा की संभावना को देखते हुए धान की खेती का क्षेत्रफल कम करें। उन्होंने मोटे अनाज और दलहनी फसलों को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कम पानी में इन फसलों से बेहतर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। जिला कृषि अधिकारी अरविंद कुमार चौधरी ने बताया कि उर्वरक वितरण से जुड़ी शिकायतों के समाधान के लिए जिला कृषि अधिकारी कार्यालय में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। किसान 9455485475 हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उर्वरक और बीज वितरण में पारदर्शिता बनी रहे और किसानों को समय पर आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर अनियमितता की शिकायत नहीं मिलनी चाहिए।

अखिलेश के जन्मदिन पर वृक्षारोपण स्कूल परिसर में कार्यक्रम आयोजित

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के जन्मदिवस के अवसर पर अकबरपुर क्षेत्र में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम PDA वृक्षारोपण अभियान के तहत लोरपुर ताजन स्थित जीपीएस इंग्लिश मीडियम स्कूल परिसर में हुआ, जहां पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में स्थानीय स्तर पर पार्टी कार्यकर्ता और अन्य लोग मौजूद रहे। पूरे आयोजन के दौरान परिसर में पौधारोपण किया गया और हरियाली बढ़ाने पर जोर दिया गया।

पूर्व मंत्री एवं विधायक राम अचल राजभर को कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होना था, लेकिन पार्टी नेतृत्व के आह्वान पर लखनऊ जाने के कारण वे कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके। उनकी ओर से प्रतिनिधि के रूप में संजय राजभर कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इस दौरान दयाराम वर्मा मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर के निदेशक सुरेश वर्मा विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद विद्यालय का पुनः संचालन भी इसी अवसर पर शुरू किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों और स्टाफ की उपस्थिति रही। प्रधानाचार्य M. H. Khan के नेतृत्व में अतिथियों का स्वागत किया गया और कार्यक्रम का संचालन किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं और आयोजकों ने वृक्षों के महत्व पर जोर दिया। पौधारोपण को केवल प्रतीकात्मक न मानते हुए उनके संरक्षण की आवश्यकता पर भी चर्चा की गई।

संचारी रोग अभियान के शुभारंभ में राजनीतिक बयानबाजी हावी

प्रभारी मंत्री का अखिलेश यादव पर तीखा तंज

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिले में संचारी रोग नियंत्रण अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान मंगलवार को मंच से राजनीतिक बयानबाजी भी खुलकर सामने आई। प्रभारी मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने सपा मुखिया अखिलेश यादव पर टिप्पणी करते हुए कहा कि राजनीति करनी है तो एसी कमरों से बाहर निकलकर गांव की गलियों और जनता के बीच जाना होगा। उन्होंने यह बयान अखिलेश यादव को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए दिया। लेकिन शुभकामनाओं के बीच दिया गया यह राजनीतिक तंज कार्यक्रम का प्रमुख चर्चा बिंदु बन गया।

राम मंदिर चढ़ावा से जुड़े कथित मामले पर पूछे गए सवाल के जवाब में ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि राम मंदिर ट्रस्ट के अधीन है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के नाम सामने आए हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई हुई है और गिरफ्तारी कर जेल भेजा गया है। साथ ही उन्होंने कहा कि जांच प्रक्रिया अभी जारी है।

कार्यक्रम का उद्देश्य संचारी रोग नियंत्रण अभियान का शुभारंभ था, जिसमें स्वास्थ्य विभाग और प्रशासनिक मशीनरी सक्रिय रूप से शामिल रही। लेकिन मंच से दिए गए राजनीतिक बयान ने कार्यक्रम को स्वास्थ्य से अधिक राजनीतिक चर्चा का केंद्र बना दिया। कार्यक्रम में जहां एक ओर संचारी रोगों की रोकथाम, सफाई और जागरूकता पर जोर दिया गया, वहीं दूसरी ओर राजनीतिक बयानबाजी ने मंच के माहौल को बदल दिया। स्थानीय स्तर पर यह बयानबाजी चर्चा का विषय बनी रही।

‘एसी कमरों’ बनाम ‘जमीनी राजनीति’ पर बयान से बढ़ी सियासी गर्मी

मंच से बोलते हुए प्रभारी मंत्री ने कहा कि जमीनी राजनीति को समझने के लिए गांव, खेत और आम लोगों के बीच रहना जरूरी है। उन्होंने परोक्ष रूप से विपक्षी राजनीति पर सवाल खड़े किए और कहा कि केवल बंद कमरों की राजनीति से जनता से जुड़ाव संभव नहीं है। उनके इस बयान के बाद कार्यक्रम स्थल पर मौजूद लोगों के बीच भी राजनीतिक चर्चाओं का दौर शुरू हो गया।

> प्रभारी मंत्री ने समाजवादी पार्टी और सुभासपा के बीच पहले रहे राजनीतिक रिश्तों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह दूरी अब सपा नेतृत्व की ओर से बनाई गई है और इसे स्वीकार कर लिया गया है। इस टिप्पणी को राजनीतिक हलकों में एक बार फिर गठबंधन राजनीति के संदर्भ में देखा जा रहा है।

बैठक में हंगामा: हाउस टैक्स से लेकर निर्माण भुगतान तक कई बड़े फैसले

बढ़े हाउस टैक्स पर लगी रोक, जांच के बाद ही होगा विकास कार्यों का भुगतान

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। नगर पालिका परिषद जलालपुर की मंगलवार को हुई बोर्ड बैठक तीखी बहस और हंगामे के बीच संपन्न हुई। बैठक में सभासदों ने कर व्यवस्था, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और विकास कार्यों के भुगतान सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए। लंबी चर्चा के बाद बोर्ड ने कई अहम प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए।

बैठक का सबसे महत्वपूर्ण फैसला बढ़े हुए हाउस टैक्स को लेकर रहा। सभासदों ने नए कर निर्धारण पर आपत्ति जताते हुए इसे वापस लेने का प्रस्ताव रखा, जिसे बोर्ड ने मंजूरी दे दी।

बोर्ड के निर्णय के अनुसार अब नगर पालिका क्षेत्र में हाउस टैक्स की वसूली पुराने कर निर्धारण के आधार पर की जाएगी। इसमें केवल 10 प्रतिशत की वृद्धि लागू होगी। नए हाउस टैक्स बिलों को निरस्त करने के प्रस्ताव पर सभी सभासदों ने सहमति जताई। यह मुद्दा बैठक के दौरान सबसे अधिक चर्चा का विषय रहा और इस पर पक्ष-विपक्ष के बीच विस्तार से बहस हुई। बैठक में नगर क्षेत्र में कराए जा रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर भी सवाल उठे। सभासदों ने हॉलमार्क ईंटों की अनिवार्यता समाप्त करने का प्रस्ताव रखा। उनका तर्क था कि निर्माण कार्यों में निर्धारित सरकारी मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण ईंटों का उपयोग सुनिश्चित किया जाए। बैठक के दौरान कई मुद्दों पर सभासदों और अधिकारियों के बीच तीखी बहस और नोकझोंक भी हुई।

जांच रिपोर्ट के बाद ही मिलेगा ठेकेदारों को भुगतान

विकास कार्यों में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से बोर्ड ने भुगतान व्यवस्था में भी बदलाव का निर्णय लिया। अब किसी भी निर्माण कार्य का भुगतान सीधे नहीं किया जाएगा। इसके लिए पांच सदस्यीय जांच समिति गठित करने का निर्णय लिया गया है। समिति निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करेगी और गुणवत्ता की जांच के बाद अपनी रिपोर्ट बोर्ड को सौंपेगी। रिपोर्ट के आधार पर ही संबंधित ठेकेदारों के भुगतान की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

अकबरपुर में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान शुरू

पूरे जुलाई चलेगा सफाई और छिड़काव अभियान

तमसा संकेत, संवाददाता

अकबरपुर। जनपद में संचारी रोगों की रोकथाम और मच्छरों के बढ़ते प्रकोप पर नियंत्रण के लिए बुधवार से विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान शुरू हो गया। यह अभियान 1 जुलाई से 31 जुलाई तक चलेगा। कलेक्ट्रेट परिसर से जिलाधिकारी ने अभियान को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान नगर पालिका परिषद अकबरपुर की टीम भी अभियान में शामिल रही। अभियान के पहले दिन नगर पालिका परिषद अकबरपुर कार्यालय परिसर में अधिकारियों और कर्मचारियों ने संचारी रोगों की रोकथाम तथा शहर को स्वच्छ और रोगमुक्त बनाने की शपथ ली। इसके बाद नगर के चिन्हित क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान शुरू किया गया।

नगर पालिका ने अभियान की शुरुआत नेहरू नगर और गौसपुर वार्ड से की। दोनों वार्डों में नालों और नालियों की सघन सफाई कराई गई। सड़कों की पटरियों और खाली स्थानों पर उगी घास को हटाया गया। मच्छरों के लार्वा को नष्ट करने के लिए जलभराव वाले स्थानों और नालियों में एंटी लार्वा दवा, मैलाथियान, ब्लीचिंग पाउडर और चूने का छिड़काव किया गया। इसके साथ ही वार्डों में फॉगिंग भी कराई गई, ताकि मच्छरों की संख्या पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके।नगर पालिका परिषद के अधिशाषी अधिकारी राजमणि ने कहा कि संचारी रोगों, डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों की रोकथाम केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है। इसके लिए लोगों की भागीदारी भी जरूरी है।

चर्चा : भाजपा युवा मोर्चा की दौड़ में फिर पीछे रह गए हर्षवर्धन

तीन बार नजदीक आकर फिसला मौका

- प्रदेश अध्यक्ष पद की रेस में लगातार मजबूत दावेदारी, लेकिन अंतिम फैसले में फिर निराशा

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिले की राजनीति में कुछ नाम ऐसे हैं जो लगातार चर्चा में रहते हैं, लेकिन बड़ी जिम्मेदारियों तक पहुंचने का इंतजार खत्म नहीं हो पाता। जलालपुर विधानसभा क्षेत्र के कन्नुपुर गांव निवासी भाजपा नेता हर्षवर्धन भी इन्हीं नामों में शामिल हो गए हैं। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के प्रदेश अध्यक्ष पद की दौड़ में वे लगातार तीसरी बार मजबूत दावेदार के रूप में सामने आए, लेकिन अंतिम निर्णय में एक बार फिर उनका नाम पीछे रह गया।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि संगठनात्मक पदों के चयन में केवल सक्रियता और अनुभव ही नहीं, बल्कि क्षेत्रीय और सामाजिक संतुलन भी अहम भूमिका निभाते हैं। माना जा रहा है कि इन्हीं समीकरणों के चलते हर्षवर्धन को लगातार तीसरी बार मौका नहीं मिल सका।

तीन बार दावेदारी के बावजूद हर्षवर्धन की संगठन में स्थिति कमजोर नहीं हुई है। पार्टी और युवा कार्यकर्ताओं के बीच उनकी सक्रियता और संपर्क आज भी मजबूत माने जाते हैं। संगठन में उनकी भूमिका को लेकर भविष्य में किसी बड़ी जिम्मेदारी की संभावनाएं भी जताई जा रही हैं।

संगठन में लंबा अनुभव, फिर भी शीर्ष पद से दूरी

हर्षवर्धन भाजपा युवा मोर्चा में लंबे समय से सक्रिय हैं और संगठनात्मक जिम्मेदारियों का अनुभव रखते हैं। वे प्रदेश महामंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद पर भी कार्य कर चुके हैं। संगठन में उन्हें अनुशासित और रणनीतिक कार्यकर्ता के रूप में जाना जाता है।

यही वजह रही कि जब भी प्रदेश अध्यक्ष चयन की चर्चा शुरू हुई, उनका नाम प्रमुख दावेदारों में शामिल रहा।

समर्थकों में उम्मीद, लेकिन अंतिम निर्णय ने बदला समीकरण

इस बार भी उनके समर्थकों को पूरा भरोसा था कि उन्हें संगठन की कमान मिल सकती है। अम्बेडकरनगर से लेकर लखनऊ तक राजनीतिक हलकों में उनके पक्ष में चर्चाएं तेज थीं। लेकिन अंतिम निर्णय के बाद तस्वीर बदल गई और पद किसी अन्य चेहरे को मिल गया। इस फैसले के बाद उनके समर्थकों में निराशा की स्थिति देखी गई, हालांकि खुलकर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई।

तक्षशिला एकेडमी में साइबर जागरूकता कार्यक्रम

छात्रों को ऑनलाइन ठगी से बचाव के बताए उपाय

तमसा संकेत, संवाददाता

अकबरपुर। जनपद में चलाए जा रहे साइबर जागरूकता अभियान के तहत बुधवार को साइबर क्राइम पुलिस थाना की टीम ने तक्षशिला एकेडमी, लोरपुर (अकबरपुर) में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और अन्य लोगों को साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों और उनसे बचाव के तरीकों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान साइबर पुलिस टीम ने बताया कि सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म के बढ़ते उपयोग के साथ साइबर अपराध के तरीके भी लगातार बदल रहे हैं। लोगों को विशेष रूप से टेलीग्राम, व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम पर मिलने वाले ₹टास्क पूरा कर पैसे कमाएं₹ जैसे ऑफरों से सतर्क रहने की सलाह दी गई। इसके अलावा क्रिप्टो करेंसी, बिटकॉइन या कम समय में अधिक मुनाफे का दावा करने वाले निवेश प्रस्तावों से बचने की जानकारी दी गई। टीम ने कहा कि ऐसे मामलों में बिना जांच के निवेश करना आर्थिक नुकसान का कारण बन सकता है।

साइबर पुलिस ने छात्रों और शिक्षकों को बताया कि पार्ट-टाइम नौकरी, क्रेडिट कार्ड लिमिट बढ़ाने, रिवॉर्ड प्वाइंट, केवाईसी अपडेट या बैंक अधिकारी बनकर आने वाले कॉल और संदेशों पर बिना सत्यापन भरोसा नहीं करना चाहिए। किसी भी स्थिति में OTP, बैंक खाता, कार्ड विवरण या अन्य गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा नहीं करनी चाहिए।

सम्पादकीय

व्यर्थ का विरोध पत्र

मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर के खिलाफ 23 विपक्षी दलों के नेताओं की ओर से सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश को पत्र लिखने का औचित्य समझना कठिन है। इस पत्र का एकमात्र उद्देश्य यही जान पड़ता है कि विपक्षी दल येन-केन-प्रकारेण एसआइआर के मुद्दे को हवा देते रहना चाहते हैं, ताकि यह माहौल बनाने में आसानी हो कि चुनाव आयोग एसआइआर की प्रक्रिया के जरिये भाजपा को कथित तौर पर लाभ पहुंचा रहा है। विपक्षी दलों की ओर से यह आरोप तबसे लगाया जा रहा है, जबसे बिहार में एसआइआर कराने का फैसला किया गया।

बिहार में एसआइआर के खिलाफ विपक्षी दलों ने यह कहते हुए आसमान सिर पर उठा लिया कि वोटर लिस्ट से उनके समर्थक मतदाताओं के नाम जानबूझकर काटे जा रहे हैं, लेकिन वे इसके पक्ष में कोई प्रमाण नहीं दे सके। इतना ही नहीं, वे ऐसे मतदाताओं को भी सामने नहीं ला सके, जिनका नाम कथित तौर पर अनुचित तरीके से वोटर लिस्ट से हटा दिया गया था। एसआइआर के खिलाफ विपक्षी दलों के तमाम धरना-प्रदर्शन के बाद भी बिहार के लोगों को यह मुद्दा आकर्षित नहीं कर सका तो इसीलिए कि उन्हें विपक्ष के आरोपों में कोई दम नहीं दिखा।

बिहार विधानसभा के चुनाव नतीजे एसआइआर पर वहां की जनता की राय भी थे, लेकिन विपक्षी दलों ने उसकी अनदेखी कर इस मुद्दे को तूल देना जारी रखा और वोट चोरी को अपना नारा बना लिया। बिहार के बाद चुनाव वाले अन्य राज्यों में भी एसआइआर हुआ, लेकिन विपक्षी दलों को इस प्रक्रिया में खोट केवल बंगाल और असम में दिखी, क्योंकि यहां भाजपा ने जीत हासिल की। केरल और तमिलनाडु में हुए एसआइआर को लेकर वे मौन रहे, क्योंकि यहां के चुनाव नतीजे उनके अनुकूल रहे। विपक्षी दलों ने एसआइआर को सुप्रीम कोर्ट में भी चुनौती दी, लेकिन वे वहां भी यह सिद्ध नहीं कर सके कि इस प्रक्रिया को सही तरीके से संपन्न नहीं किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट में मुंह की खाने के बाद भी विपक्षी दलों को चैन नहीं है। समझना कठिन है कि जिस मामले में सुप्रीम कोर्ट चुनाव आयोग के पक्ष में फैसला दे चुका और एसआइआर को उसका संवैधानिक अधिकार बता चुका, उसे लेकर प्रधान न्यायाधीश को पत्र लिखने से क्या हासिल होने वाला है? क्या ऐसा कुछ है कि इस पत्र के आधार पर सुप्रीम कोर्ट एसआइआर पर अपना फैसला बदल देगा? एसआइआर का उद्देश्य मतदाता सूचियों को सही करना है। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के लिए ऐसा करना आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य है। आखिर विपक्षी दलों की ओर से इस आवश्यक कार्य का विरोध क्यों किया जा रहा है? ऐसा तो है नहीं कि देश में पहली बार एसआइआर के जरिये मतदाता सूचियों को दुरुस्त किया जा रहा हो। यह काम तो पहले भी होता रहा है।

डर से विश्वास की ओर

हवा के डर से जो उड़ान से पहले सहमा जाते हैं । वही ज़मीन पर गिरतें हैं । हौंसलों के सामने सारी मुश्किलें इम्तिहान से पहले कातर है । हम डर को विश्वास में बदलने का प्रयास करें । डर रिश्तों में दूरी लाता हैं, जबकि विश्वास मन को शांत करता हैं और संबंध को भीतर से मजबूत बनाता हैं । विग्रह गति या अन्तराल गति के द्वारा बहुत ही कम समय में जीव एक गति से दूसरी गति में जाता है । स्थूल शरीर जैसे औदारिक व वेक्रिय शरीर की दृष्टि से वह अशरीरी है । किंतु तैजस व कार्मण शरीर की दृष्टि से वह सशरीर होता है । तैजस व कार्मण शरीर तो आगे भी जाते है । द्रव्य इंद्रियां कान आदि से बिना व भाव , खयोक्षम आदि दृष्टि से वह सइंद्रिय होता है । आगम की भाषा में समय की लघुत्तम इकाई 1,2,3,4 समय अपन आँखों की पलक झपकाते है उसमें बहुत समय चला जाता है उससे भी कम समय यह होता है । साधु , श्रावक त्याग , सम्यक्त्व आदि वाला , सिर्फ सम्यक्तव वाला भी सामान्य देवगति नहीं वह ऊंची वैमानिक देवगति में वह उत्पन्न होगा । सरल भद्र बिना ईर्ष्या आदि वाला बिना धर्म किए अपनी प्रकृति से मनुष्य में वापिस आ सकता है ।झूठ , कपट व बात को झूठ से बोल व ढकने वाला आदि आदमी तिर्यंच पशु आदि की गति का आयुष्य बांध लेता है । एक आदमी निष्ठुर , हिंसा वाला , महापरिग्रह , मांस, प्राणियो को मारने वाला , महाआसक्ति वाला आदमी आदि मरकर के नरक गति का आयुष्य बांध लेता है ।असाध्ना नहीं हो तो भगवान् महावीर का जीव त्रिपिष्ठ वासुदेव बन गये थे व हिंसा आदि के कारण नरक का आयुष्य बांध लिया । कर्मवाद में पक्षपात नहीं है तीर्थंकर बनने वाले है आदि - आदि इनको भी कोई छूट मिलनी चाहिए । खराब बन्ध 7 वी नरक का लम्बा अधिकतम आयुष्य इन्होंने बांध लिया । वह उस स्थिति में जाकर के भगवान् महावीर की आत्मा पैदा हो गयी । किसी को छूट नहीं है । हिंसा आदि के परिणाम है की आदमी नरक गति का आयुष्य बांध लेता है । जीव आयुष्य सहित आगे जाता है । मोक्ष न मिला तब तक उसका आयुष्य बन्धन होता रहता है परन्तु आदमी यह ध्यान दे की कम से कम खराब गति में न जाना पड़े । दुर्गति नरक व तिर्यंच में तो नहीं जाना पड़े । इसके लिये अपेक्षा है गलत से बचने का प्रयास करे ।

> प्रदीप छाजेड़

दिल्ली: वायु प्रदूषण के साथ ओजोन प्रदूषण की चुनौती

“समस्या के समाधान में नागरिकों की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। कचरा जलाना, निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल, खुले में ईंधन जलाना, प्लास्टिक और औद्योगिक कचरे का अनुचित निस्तारण जैसी आदतों में परिवर्तन लाना होगा।

राजधानी दिल्ली वर्षों से वायु प्रदूषण की भयावह समस्या से जूझती रही है। हर सर्दी में धुंध की मोटी चादर, जहरीली हवा और दमघोंटू वातावरण राष्ट्रीय चिंता का विषय बनते हैं। अब तक इस संकट की चर्चा मुख्यतः पीएम 2.5, पीएम 10, पराली और वाहनों के धुएँ तक सीमित रही, लेकिन अब एक नया और अधिक खतरनाक खतरा तेजी से उभरकर सामने आया है-भूतलीय (ग्राउंड लेवल) ओजोन प्रदूषण। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट की हालिया रिपोर्ट ने स्पष्ट किया है कि दिल्ली-एनसीआर ही नहीं, जयपुर, चंडीगढ़ और अहमदाबाद जैसे शहर भी ओजोन प्रदूषण की गिरफ्त में आते जा रहे हैं। यह प्रदूषण दिखाई नहीं देता, लेकिन इसके दुष्प्रभाव धीरे-धीरे मानव जीवन, कृषि और पर्यावरण को भीतर तक बीमार कर रहे हैं। विडम्बना यह है कि प्रदूषण जैसे गंभीर विषय को भी अक्सर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित कर दिया जाता है। कभी किसानों की पराली को संपूर्ण दोषी ठहरा दिया जाता है तो कभी केवल वाहनों को। जबकि वास्तविकता कहीं अधिक व्यापक है। यदि समस्या की जड़ तक पहुँचना है तो अनियोजित शहरीकरण, अंधाधुंध औद्योगिकीकरण, ऊर्जा उपभोग की वर्तमान व्यवस्था और विकास के मौजूदा मॉडल पर गंभीर पुनर्विचार करना होगा। दिल्ली आज केवल देश की राजधानी नहीं, बल्कि देश का सबसे बड़ा प्रदूषण हॉटस्पॉट भी बन चुकी है। गर्मियों में बढ़ते तापमान, तेज धूप और वाहनों एवं उद्योगों से निकलने वाली नाइट्रोजन ऑक्साइड तथा वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों की रासायनिक प्रतिक्रिया से भूतलीय ओजोन बनती है। यह वही ओजोन नहीं है जो वायुमंडल की ऊपरी परत में पृथ्वी को पराबैंगनी किरणों से बचाती है। धरातल पर बनने वाली ओजोन एक विषैली गैस है, जो फेफड़ों की कार्यक्षमता कम करती है, दमा के रोगियों की स्थिति बिगाड़ती है, आँखों में जलन पैदा करती है तथा हृदय रोगों का जोखिम बढ़ाती है। आज दिल्ली-एनसीआर में बड़ी संख्या में लोग सांस लेने में कठिनाई, एलर्जी और अस्थमा जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं, जिनमें ओजोन प्रदूषण की भूमिका लगातार बढ़ रही है। दिल्ली सरकार ने प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन, नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति, सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा, चार्जिंग स्टेशन विकसित करने की योजना और पुराने प्रदूषणकारी वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटाने जैसे निर्णय निश्चित रूप से सकारात्मक हैं। यदि इन योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन होता है तो आने वाले वर्षों में प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में सार्थक परिवर्तन देखने को मिल सकता है। लेकिन केवल वाहन नीति से समस्या का समाधान संभव नहीं है।

वास्तविक संकट अनियोजित शहरीकरण का है। पिछले दो दशकों में दिल्ली और उससे लगे क्षेत्रों में जिस तेजी से खेत, तालाब और हरित क्षेत्र कंक्रीट के जंगलों में बदले हैं, उसने प्राकृतिक संतुलन को गहरा आघात पहुँचाया है। जहाँ कभी वर्षा का पानी धरती में समा जाता था, वहाँ अब सीमेंट और डामर की सतह है। पारंपरिक जलस्रोत मिट गए, पेड़ों की संख्या घटी और गर्मी बढ़ती गई। यही कारण है कि शहरों का तापमान आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कई डिग्री अधिक रहने लगा है। यही अतिरिक्त गर्मी ओजोन बनने की प्रक्रिया को और तेज करती है। आज महानगरों का विस्तार विकास का प्रतीक माना जाता है, लेकिन यह विकास प्रकृति की कीमत पर हो रहा है। शहरों को सड़कें चाहिए, बिजली चाहिए, आवास चाहिए, उद्योग चाहिए। इन सबके लिए खेत समाप्त हो रहे हैं, जंगल कट रहे हैं और जलस्रोत नष्ट हो रहे हैं। परिणामस्वरूप प्रदूषण केवल हवा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जल, मिट्टी और जैव विविधता भी प्रभावित हो रही है। विकास की यह दिशा अंततः मानव जीवन के विरुद्ध खड़ी दिखाई देती है। दिल्ली में निजी वाहनों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। सार्वजनिक परिवहन की उपलब्धता और गुणवत्ता अभी भी इतनी प्रभावी नहीं हो सकी कि लोग निजी वाहनों का त्याग करें। इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना स्वागतयोग्य है, किंतु यह भी ध्यान रखना होगा कि बिजली यदि कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्रों से आएगी तो प्रदूषण केवल एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित होगा। इसलिए स्वच्छ ऊर्जा, सौर ऊर्जा और हरित परिवहन को समानांतर गति से बढ़ाना आवश्यक है। ओजोन प्रदूषण केवल मानव स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह कृषि उत्पादन को भी प्रभावित करता है। वैज्ञानिक अध्ययनों में पाया गया है कि ओजोन फसलों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित कर उत्पादन घटा देती है। ऐसे समय में जब जलवायु परिवर्तन, अनिश्चित मानसून और बढ़ती गर्मी पहले ही किसानों के सामने बड़ी चुनौती बने हुए हैं, ओजोन प्रदूषण कृषि संकट को और गहरा कर सकता है। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के अंतर्गत अनेक शहरों में वायु गुणवत्ता सुधारने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, किंतु अब समय आ गया है कि इसकी रणनीति का विस्तार किया जाए। केवल पार्टिकुलेट मैटर पर ध्यान देने के बजाय ओजोन जैसे द्वितीयक प्रदूषकों की निगरानी, वैज्ञानिक अध्ययन और नियंत्रण पर भी समान बल देना होगा। वायु गुणवत्ता निगरानी तंत्र को अधिक व्यापक, आधुनिक और पारदर्शी बनाना होगा। अधिक से अधिक सार्वजनिक परिवहन का उपयोग, साइकिल और पैदल चलने की संस्कृति को बढ़ावा देना होगा। शहरों में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण, हरित पट्टियों का विकास और पारंपरिक जलस्रोतों का पुनर्जीवन भी प्रदूषण नियंत्रण की प्रभावी रणनीति का हिस्सा होना चाहिए। वायु प्रदूषण केवल पर्यावरणीय संकट नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक संकट भी है। बढ़ती बीमारियाँ स्वास्थ्य व्यवस्था पर बोझ डालती हैं, कार्यक्षमता घटाती हैं और करोड़ों रुपये की आर्थिक हानि का कारण बनती हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि प्रदूषण बच्चों और युवाओं के भविष्य को प्रभावित कर रहा है। यदि आज निर्णायक कदम नहीं उठाए गए तो आने वाली पीढ़ियों को इसका कहीं अधिक गंभीर मूल्य चुकाना पड़ेगा। दिल्ली सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदम स्वागतयोग्य हैं और उनसे सकारात्मक परिणामों की आशा की जा सकती है, किंतु यह तभी संभव होगा जब केंद्र, राज्य, स्थानीय निकाय, उद्योग, वैज्ञानिक समुदाय और नागरिक समाज मिलकर समन्वित प्रयास करें।

ललित गर्ग

यह भी समझना होगा...

अशोक कुमार झा

वर्दी का अहंकार या कानून का शासन?

लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत उसके संविधान, न्याय व्यवस्था और कानून के प्रति नागरिकों के विश्वास में निहित होती है। जब कोई आम नागरिक घर से बाहर निकलता है तो उसे भरोसा होता है कि यदि कभी उसके साथ कोई अन्याय होगा तो पुलिस उसकी रक्षा करेगी, अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई करेगी और उसके अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। लेकिन जब वही पुलिस, जिसे जनता का रक्षक माना जाता है, स्वयं भय, अपमान और उत्पीड़न का कारण बन जाए, तब लोकतंत्र की आत्मा घायल होती है।

भोपाल में डायल-112 वाहन में तैनात पुलिसकर्मियों द्वारा मंगल लोधी नामक नागरिक के साथ कथित रूप से की गई अभद्रता और मारपीट का मामला इसी प्रकार का गंभीर प्रश्न हमारे सामने खड़ा करता है। यदि उपलब्ध जानकारी सही है तो यह घटना केवल एक व्यक्ति के सम्मान पर हमला नहीं बल्कि कानून के शासन, मानव गरिमा और संवैधानिक मूल्यों पर भी सीधा आघात है। बताया गया कि मंगल लोधी अपनी पत्नी और छोटे बच्चों के साथ यात्रा कर रहे थे। रास्ते में पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोका। सत्यापन के नाम पर उनका मोबाइल फोन अपने कब्जे में ले लिया गया। जब उन्होंने अपना मोबाइल वापस मांगा तो स्थिति अचानक विवाद में बदल गई। आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने उन्हें थप्पड़ मारा, कॉलर पकड़कर घसीटा, धक्का दिया और सार्वजनिक रूप से अपमानित किया। यह सब उनकी पत्नी और बच्चों के सामने हुआ।

किसी भी सभ्य समाज में किसी व्यक्ति का सार्वजनिक अपमान केवल उस व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता। उसका प्रभाव पूरे परिवार पर पड़ता है। विशेष रूप से तब जब बच्चे अपने पिता को अपमानित होते हुए देखें। एक बच्चे की नजर में उसका पिता उसकी दुनिया का सबसे मजबूत और भरोसेमंद व्यक्ति होता है। जब वही पिता सड़क पर अपमानित होता दिखाई दे, तब बच्चे के मन में केवल भय ही नहीं बल्कि व्यवस्था के प्रति अविश्वास भी जन्म लेता है।

यहाँ सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या पुलिस को किसी भी परिस्थिति में किसी नागरिक के साथ अपमानजनक व्यवहार करने का अधिकार है? कानून का उत्तर स्पष्ट है—नहीं।

हिंदुस्तान का संविधान प्रत्येक नागरिक को गरिमा के साथ जीवन जीने का अधिकार देता है। संविधान का अनुच्छेद 21 केवल जीवन की रक्षा की बात नहीं करता बल्कि सम्मानपूर्वक जीवन जीने के अधिकार की भी गारंटी देता है। सर्वोच्च न्यायालय भी अनेक अवसरों पर यह स्पष्ट कर चुका है कि पुलिस की शक्तियाँ असीमित नहीं हैं और कानून के नाम पर किसी नागरिक की गरिमा को कुचलने की अनुमति किसी को नहीं दी जा सकती। दुर्भाग्य से देश के अनेक हिस्सों में समय-समय पर ऐसी घटनाएँ सामने आती रही हैं जहाँ कुछ पुलिसकर्मी स्वयं को कानून से ऊपर समझने लगते हैं। वर्दी का उद्देश्य सेवा है, शासन नहीं। पुलिस का दायित्व सुरक्षा है, भय पैदा करना नहीं। लेकिन जब वर्दी सेवा की बजाय शक्ति प्रदर्शन का माध्यम बन जाती है, तब जनता और पुलिस के बीच विश्वास की दीवार दरकने लगती है।

यह भी समझना होगा कि अधिकांश पुलिसकर्मी ईमानदारी और कठिन परिस्थितियों में कार्य करते हैं। वे सीमित संसाधनों, लंबे कार्य घंटों और भारी दबाव के बीच समाज की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। इसलिए किसी एक घटना के आधार पर पूरी पुलिस व्यवस्था को कटघरे में खड़ा करना उचित नहीं होगा। लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि कुछ व्यक्तियों की अनुचित हरकतें पूरी संस्था की छवि को नुकसान पहुंचाती हैं। डायल-112 जैसी आपातकालीन सेवाएँ नागरिकों की सहायता के लिए बनाई गई हैं। जब कोई व्यक्ति संकट में होता है तो वह इन्हीं सेवाओं पर भरोसा करता है। यदि ऐसी सेवाओं से जुड़े कर्मियों पर ही दुर्व्यवहार के आरोप लगने लगें तो जनता का विश्वास कमजोर होता है। इसलिए इस प्रकार के मामलों में पारदर्शी और निष्पक्ष जांच अत्यंत आवश्यक है। इस घटना का एक महत्वपूर्ण पहलू मानवाधिकारों से भी जुड़ा है। मानवाधिकार केवल बड़े अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में चर्चा का विषय नहीं हैं। किसी व्यक्ति को बिना कारण अपमानित न किया जाए, उसके साथ सम्मानजनक व्यवहार हो, उसे अपनी बात रखने का अवसर मिले—ये सभी मानवाधिकारों के मूल तत्व हैं। यदि कोई पुलिसकर्मी अपनी शक्ति का दुरुपयोग करता है तो वह केवल विभागीय नियमों का उल्लंघन नहीं करता, बल्कि मानवाधिकारों का भी हनन करता है।

प्रशासन द्वारा...

अशोक त्रिपाठी

अमेठी में मुख्यमंत्री आवास योजना से संवर रहे गरीबों के आशियाने

किसी भी परिवार के लिए एक सुरक्षित और सम्मानजनक घर केवल चार दीवारों का ढांचा नहीं होता, बल्कि यह उसके बेहतर भविष्य, आत्मसम्मान और सामाजिक सुरक्षा की मजबूत बुनियाद होता है। उत्तर प्रदेश की वर्तमान सरकार का यह दृढ़ संकल्प है कि प्रदेश का कोई भी पात्र परिवार आवास जैसी मूलभूत सुविधा से वंचित न रहे।

इसी जनकल्याणकारी सोच को धरातल पर उतारने के लिए प्रदेश में 'मुख्यमंत्री आवास योजना' ग्रामीण का प्रभावी संचालन किया जा रहा है। यह योजना आज प्रदेश के हजारों जरूरतमंद परिवारों के जीवन में खुशियों और उम्मीदों की एक नई रोशनी लेकर आई है। वर्ष 2017 से पूर्व इस प्रकार की कोई विशिष्ट योजना संचालित नहीं थी, लेकिन वर्तमान सरकार ने ग्रामीण गरीबों की इस बुनियादी समस्या को बेहद गंभीरता से लिया और इस योजना को एक सशक्त और प्रभावी स्वरूप प्रदान किया। इसी कड़ी में जनपद अमेठी में यह योजना ग्रामीण गरीबों, निराश्रित महिलाओं, दिव्यांगजनों तथा प्राकृतिक एवं दैवीय आपदाओं से प्रभावित परिवारों के लिए एक बड़ा वरदान साबित हो रही है। जिला प्रशासन के कुशल मार्गदर्शन, प्रभावी क्रियान्वयन और सतत निगरानी के चलते इस योजना का लाभ पात्र लोगों तक पूरी तरह से पारदर्शी, निष्पक्ष और समयबद्ध तरीके से पहुंचाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण का मूल उद्देश्य उन परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराना है जो आर्थिक तंगी के कारण आज भी फूस, टिनशेड या अत्यंत जर्जर एवं कच्चे मकानों में रहने को विवश हैं। बरसात के मौसम में टपकती छतें, गर्मी का असहनीय तापमान और सर्दी के मौसम में सुरक्षा का अभाव इन परिवारों के जीवन को अत्यंत कष्टप्रद बना देता है।

ऐसे में लाचार परिवारों के लिए यह योजना एक सुरक्षित और गरिमापूर्ण जीवन की नई शुरुआत बनकर सामने आई है, जिसमें गरीब परिवारों को पात्रता के आधार पर प्राथमिकता के साथ इस योजना से लाभान्वित किया जा रहा है।

अमेठी जिले में शासन और प्रशासन के साझा प्रयासों से वित्तीय वर्ष 2019-20 से लेकर 2025-26 तक कुल 10,054 पक्के आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं। यह संख्या महज कोई सरकारी आंकड़ा भर नहीं है, बल्कि यह उन हजारों परिवारों की मुस्कान, संतुष्टि और खुशहाली का जीवंत प्रतीक है, जिनके जीवन में इस योजना से एक बड़ा सकारात्मक बदलाव आया है।

प्रशासन द्वारा योजना की प्रगति की निरंतर समीक्षा की जाती है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हर एक पात्र लाभार्थी का चयन बिना किसी भेदभाव के हो और स्वीकृत आवासों का निर्माण कार्य तय समय सीमा के भीतर पूरी गुणवत्ता के साथ संपन्न कराया जा सके। विभागीय तंत्र द्वारा फील्ड स्तर पर किए जाने वाले नियमित निरीक्षण, भौतिक सत्यापन और सतत मॉनिटरिंग ने इस पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता की एक नई मिसाल पेश की है। तकनीकी और वित्तीय दृष्टि से भी यह योजना अत्यंत सुदृढ़ और लोक- हितैषी है। इसके तहत घर के निर्माण के लिए सरकार द्वारा पात्र परिवारों को सीधे उनके बैंक खातों में वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। मैदानी और पर्वतीय क्षेत्रों के नियमों के अनुसार लगभग 1.20 लाख से 1.30 लाख तक की यह राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे ट्रांसफर की जाती है।

जरा हटके

वीरता और पराक्रम ...

केवल

पीपीपी मॉडल से प्रदेश के ऐतिहासिक इमारतों का होगा कायाकल्प

उत्तर प्रदेश के पर्यटन विभाग ने प्रदेश के विभिन्न जनपदों में स्थित पुरानी इमारतों, किले तथा महलों का कायाकल्प करके देशी-विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने की शुरूआत की पहल की गई है। प्रदेश में पर्यटकों की बढ़ती संख्या को देखते हुए राज्य सरकार ने यह निर्णय लिया है। इसके तहत पुराने जीर्ण-शीर्ण ऐतिहासिक धरोहरों, किलों को सहेज कर भव्य और आकर्षक रूप दिया जायेगा, जिससे पर्यटकों को किले अथवा राजमहल में ठहरने जैसी अनुभूति प्राप्त हो सके। प्रदेश सरकार एडाप्ट हेरीटेज पॉलिसी के अंतर्गत ऐतिहासिक महत्व के भवनों को संरक्षित रखने के साथ विकास और जनसहभागिता के लिए स्मारक मित्रों का चयन कर रही है। पहले चरण में 05 स्मारकों के लिए स्मारक मित्र चयनित किये गये हैं। दूसरे चरण में 26 स्मारकों के लिए स्मारक मित्र चयन करने की कार्यवाही चल रही है।

वीरता और पराक्रम के प्रतीक प्रदेश के बुन्देलखण्ड सहित कई जनपदों में पुराने किले तथा महल मौजूद हैं। पर्यटन विभाग निजी सहभागिता के आधार पर इनका सौन्दर्यीकरण कराने का निर्णय लिया है। इसको लेकर गत वर्ष किलों/महलों के स्वामियों एवं उनके उत्तराधिकारियों को आमंत्रित कर एक संगोष्ठी आयोजित की गई थी। इसमें जीर्णोद्धार कार्य में लगे हुए लोगों, विशेषज्ञों तथा निवेशकों को भी शामिल किया गया। प्रदेश के तमाम प्राचीन किले एवं महल जर्जर एवं दयनीय स्थिति में हैं। बढ़ती आबादी, औद्योगीकरण, शहरीकरण एवं विकास संबंधी गतिविधियों के चलते इन ऐतिहासिक सम्पत्तियों के आसपास अतिक्रमण एवं बहुमूल्य सामानों के साथ छेड़छाड़ की भी घटनाएं प्रायः प्रकाश में आती हैं। इन किलों से बहुत-सी कहानियां एवं दन्त कथाएं जुड़ी हुई हैं। इसके अलावा इन किलों का ऐतिहासिक महत्व है। बहुत से किले एवं महल स्थापत्य कला के अद्भुत नमूने हैं। इनको भावी पीढ़ी के लिए संरक्षित करना जरूरी है।

पर्यटन विभाग इन इमारतों को पीपीपी मॉडल पर विकसित कर पर्यटन गतिविधियां संचालित करेगा। इस कदम से जहां एक ओर इन प्राचीन इमारतों का मौलिक सौन्दर्य वापस लौटेगा। इसके साथ ही इन्हें संरक्षित भी किया जा सकेगा। इसके साथ ही दुर्गम एवं बीहड़ स्थानों पर स्थित होने के कारण कहीं-कहीं अवस्थापना सुविधाओं का अभाव है। इनका विकास होने पर दर्शकों एवं पर्यटकों का आवागमन बढ़ेगा। इससे स्थानीय लोगों को रोजगार के साथ राज्य सरकार को राजस्व भी प्राप्त होगा। इसी को दृष्टिगत रखते हुए पर्यटन विभाग ने राजस्थान की तर्ज पर इन धरोहरों को विकसित करने का निर्णय लिया है।

प्रदेश सरकार इन ऐतिहासिक धरोहरों को हेरिटेज सर्किट में शामिल करके बुनियादी सुविधाओं से लैस करेगी। इनकी मार्केटिंग तथा ब्रान्डिंग के साथ ही व्यापक प्रचार-प्रसार करके अधिक से अधिक देशी-विदेशी सैलानियों को उ०प्र० की ओर आकर्षित किया जायेगा। इससे उ०प्र० में रोजगार के साथ-साथ आमदनी के रास्ते खुलेंगे। प्रदेश में आध्यात्मिक सर्किट पर्यटकों को सर्वाधिक आकर्षित कर रहे है। अयोध्या, काशी, मथुरा, कुशीनगर जैसे स्थल पर्यटकों के लिए पसंदीदा गन्तव्य स्थल के रूप में स्थान बनाये हुए हैं। पीपीपी मॉडल पर पुरानी इमारतों को संवारने के बाद पर्यटकों के लिए घूमने के लिए विकल्प के रूप में नये स्थल प्राप्त होंगे।

उ०प्र० में निवेशकों के लिए पर्यटन नीति-2022 में आकर्षक सुविधाओं के साथ ही सब्सिडी एवं विभिन्न प्रकार की छूट की व्यवस्था की गयी है। उ०प्र० में औद्योगिक एवं पर्यटन संबंधी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए इन्स्पेक्टर राज और लालफीताशाही को पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है। इसके अलावा बेकार एवं अनुपयोगी कानूनों को भी खत्म किया जा रहा है। वर्ष 2017 के बाद से प्रदेश की स्थिति में व्यापक बदलाव आया है। अब यह बीमारू राज्य के चक्रव्यूह से निकलकर अर्थव्यवस्था के ग्रोथ इंजन के रूप में आगे बढ़ रहा है।

राज्य सरकार प्रदेश में उद्योग-धन्धों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार पूरी ईमानदारी एवं पारदर्शिता के साथ निवेशकों के साथ खड़ी है। रेल, रोड, सड़क, वायु तथा हेलीपोर्ट एवं अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी विकसित की गई है। यूपी की अर्थव्यवस्था लगातार छलांग लगा रही है। यूपीजीआईएस-23 के दौरान 33 लाख 50 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। उ०प्र० अब सर्वोत्तम प्रदेश की राह पर चल पड़ा है। इससे उत्तर प्रदेश देश की जीडीपी में अपना योगदान अधिक से अधिक देने में सक्षम होगा। राज्य सरकार ने छतर-मंजिल लखनऊ, चुनारफोर्ट मिर्जापुर, बरुआसागर फोर्ट झांसी, कोठी गुलिस्ताने एरम, कोठी दर्शन विलास, कोठी रोशन उद्दौला, लखनऊ, बरसाना जलमहल मथुरा, शुक्ला तालाब कानपुर देहात, टिकैतराय बारादरी कानपुर सिटी, बुन्देलखण्ड की कुछ सम्पत्तियों-तहरोली फोर्ट झांसी, चिरगॉव फोर्ट झांसी, मडवारा फोर्ट, मस्तानी महल सलारपुर, सेनापति भवन आदि को पीपीपी मॉडल पर विकसित करने के लिए चिन्हित किया है। इन इमारतों का कायाकल्प होने से पर्यटकों की आवाजाही बढ़ेगी। प्राचीन स्मारक हमारे गौरवशाली इतिहास और समृद्ध विरासत के प्रतीक हैं। इनको संरक्षित, संवर्धित करके बचाये रखना है।

ये पेट्रोल से 30 तक सस्ता होगा, गाजियाबाद-नोएडा के बाद इन शहरों में लगेंगे पंप

पेट्रोल-डीजल की जगह एथनॉल से चलेंगी गाड़ियां

चर्चा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । देशभर में पेट्रोल-डीजल के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। यूपी में डीजल 95 और पेट्रोल 102 के आसपास बिक रहा है। इसलिए ऑप्शन के तौर पर एथनॉल से चलने वाली गाड़ियों की चर्चा हो रही है। इसे फ्लेक्स फ्यूल भी कहा जा रहा है। जिसकी कीमत 70 से 75 प्रति लीटर हो सकती है।

पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी के मुताबिक, देशभर के सभी पेट्रोल पंप पर E20 मिलने लगा है। 48 पेट्रोल पंपों पर E85 फ्यूल और 183 पंपों पर E100 भी उपलब्ध हैं। ये पंप महाराष्ट्र, दिल्ली, यूपी, कर्नाटक और तमिलनाडु में हैं। दिसंबर, 2026 तक पंप की संख्या संयुक्त रूप से 500 और 2027 तक 5 हजार तक बढ़ाने का टारगेट है।

ऑटो एक्सपर्ट्स का कहना है कि एथनॉल में पेट्रोल की तुलना में करीब 30% कम ऊर्जा होती है। इसलिए E85 या E100 फ्यूल से चलने वाली गाड़ियां उतनी दूरी तय करने के लिए ज्यादा फ्यूल खर्च करती हैं। इनका माइलेज पेट्रोल-डीजल वाली गाड़ियों के मुकाबले 25% से 35% तक कम हो सकता है। लेकिन, एथनॉल फ्यूल सस्ता होने से कुल खर्च कम पड़ सकता है। 65 किमी चलने के लिए करीब 1.25 लीटर E100 की जरूरत होगी। जिसका खर्च 1.25 × 70 = 87.50 आता है। यानी E100 में बाइक का माइलेज कम होगा और वह ज्यादा फ्यूल खर्च करेगी। फिर भी E100 सस्ता होने की वजह से 65 किमी चलाने का खर्च करीब 88 पड़ेगा। जबकि, पेट्रोल में यही दूरी तय करने का खर्च 100 होगा। यानी करीब 12 की बचत हो सकती है।

एथनॉल गाड़ी की खूबियां और कमियां

एथनॉल गाड़ियां E100 जैसे एथनॉल फ्यूल के साथ पेट्रोल पर भी चल सकती हैं। E100 सस्ता होने की वजह से ईंधन का खर्च कम हो सकता है। ये गाड़ियां सामान्य वाहनों के मुकाबले 50% तक कम प्रदूषण फैलाती हैं। साथ ही पेट्रोल-डीजल पर देश की निर्भरता घटाने में मदद करती हैं।

हालांकि, इनकी कीमत सामान्य गाड़ियों से 15 हजार से 40 हजार रुपए तक ज्यादा हो सकती है। पेट्रोल के मुकाबले माइलेज 25-35% तक कम मिल सकता है। इंजन की सर्विस जल्दी करानी पड़ सकती है। लंबे समय तक गाड़ी खड़ी रहने पर कोल्ड स्टार्ट जैसी समस्या भी आ सकती है।

नोएडा-गाजियाबाद में एथनॉल के 3 पंप

E85 और E100 फ्यूल से चलने वाली गाड़ियां भी जून के पहले हफ्ते में लॉन्च हो चुकी हैं। अब बात यहां आकर फंसती है कि अगर E85 या E100 गाड़ियां खरीद ली जाएं, तो उनका फ्यूल कहां और कैसे मिलेगा? पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, देशभर के ज्यादातर पेट्रोल पंपों पर 'E20' फ्यूल मिलने लगा है। E85 और E100 के लिए फिलहाल लिमिटेड पंप हैं। सरकार पेट्रोल पंपों को अपग्रेड कर रही है। आने वाले समय में नॉर्मल पेट्रोल पंप पर भी एथनॉल फ्यूल मिलने लगेगा।

एथनॉल प्रोडक्शन में यूपी नंबर 1

देश में प्रोडक्शन	1990 करोड़ लीटर
यूपी में प्रोडक्शन	236 करोड़ लीटर
प्रदेश में एथनॉल प्लांट	97

टॉप 5 जिले

सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, बरेली, सीतापुर

प्राइवेट सेक्टर का सबसे बड़ा एथनॉल प्लांट- गोरखपुर

सोर्स: पेट्रोलियम मंत्रालय (आंकड़े नवंबर, 2025 तक)

औद्योगिक क्षेत्रों में जलभराव पर सख्त हुई समिति

बजट आवंटन में तेजी लाने के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ मंडल के अमौसी, सरोजनीनगर और बंथरा औद्योगिक क्षेत्रों में जलभराव और आधारभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं के समाधान को लेकर बुधवार को उद्योग बन्धु समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता आयुक्त, लखनऊ मंडल ने की। इस दौरान जल निकासी, सीवर निर्माण, सड़क चौड़ीकरण और विभिन्न औद्योगिक योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

बैठक में सीएण्डडीएस संस्था के प्रतिनिधि ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्रों में स्थायी जल निकासी व्यवस्था के लिए तैयार किया गया आगणन प्रस्ताव नगर विकास विभाग को भेजा जा चुका है और इसे कार्ययोजना में शामिल कर लिया गया है। शासन से बजट स्वीकृत होते ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। इस पर समिति ने सीएण्डडीएस को शासन स्तर पर समन्वय स्थापित कर शीघ्र बजट आवंटन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

वर्षा ऋतु को देखते हुए समिति ने नगर निगम को निर्देशित किया कि स्थायी व्यवस्था बनने तक प्रभावित क्षेत्रों में समय-समय पर पम्पिंग के माध्यम से जल निकासी कराई जाए, ताकि औद्योगिक इकाइयों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। बैठक में अमौसी और सरोजनीनगर औद्योगिक क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश जल निगम द्वारा कराए जा रहे सीवर लाइन एवं एसटीपी निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की गई।

फास्ट न्यूज

समिट बिल्डिंग में फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़

लखनऊ। लखनऊ के विभूति खंड थाना क्षेत्र स्थित समिट बिल्डिंग के 11वीं मंजिल पर फर्जी कॉल सेंटर पकड़ा गया। बताया जा रहा है कि यहां से जालसाज देश-विदेश में ठगी करते थे। पुलिस ने करीब 12 घंटे तक कॉल सेंटर में सर्च अभियान चलाया। इसके बाद 35 से अधिक युवतियों समेत 100 से ज्यादा लोगों को पकड़कर अपने साथ ले गई।

लखनऊ में रोड एक्सीडेंट में 4 महिला समेत कई घायल

बख्शी का तालाब । लखनऊ के बीकेटी में सीतापुर हाईवे पर बुधवार दोपहर लगभग 3 बजे एक सड़क हादसा हो गया। इन्दौर बाग मोड़ के पास ओवरटेक करने के प्रयास में एक हुंडई i10 कार पहले एक ट्रक से टकराई, फिर अनियंत्रित होकर सामने से आ रही स्कॉर्पियो से जा भिड़ी। इस दुर्घटना में एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, जबकि कई अन्य लोगों को भी चोटें आई हैं। पुलिस के अनुसार, यह हादसा तब हुआ जब i10 कार चालक विवेक सिंघल पटना की ओर जा रहे एक ट्रक को ओवरटेक करने का प्रयास कर रहे थे।

4 बीघा जमीन को लेकर खूनी संघर्ष

मलिहाबाद। लखनऊ के रहीमाबाद थाना क्षेत्र स्थित गोपालपुर गांव में बुधवार को भूमि विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट और फायरिंग हुई। दोनों पक्षों के कुल 6 लोग घायल हो गए। दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उन्हें केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार, गोपालपुर गांव स्थित चार बीघा भूमि का बैनामा 12 जून को हुआ था।

रवींद्र जायसवाल ने दस उप निबंधक कार्यालयों का किया वर्चुअल शिलान्यास

रजिस्ट्री कार्यालयों में आमजन को अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है डबल इंजन सरकार : रवींद्र जायसवाल

तमसा संकेत, संवाददाता

- **विभिन्न जनपदों में आयोजित शिलान्यास समारोहों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों ने बढ़-चढ़कर की भागीदारी**

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के स्टांप तथा पंजीयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री रवींद्र जायसवाल ने आज प्रदेश के विभिन्न जनपदों में आम जनता की सुविधा हेतु नवनिर्मित 10 उप निबंधक कार्यालयों एवं अभिलेखागारों का वर्चुअल माध्यम से शिलान्यास किया। यह शिलान्यास कार्यक्रम मथुरा, कुशीनगर, झांसी, गोण्डा, मुरादाबाद, अमरोहा, सीतापुर, हरदोई, लखनऊ और बाराबंकी जनपदों में विभिन्न जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस अवसर पर श्री जायसवाल ने कहा कि प्रदेश की डबल इंजन सरकार रजिस्ट्री कार्यालयों में आने वाले आमजन को हर अत्याधुनिक और विश्वस्तरीय सुविधा उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि इन नए और विस्तारित भवनों के निर्माण से संबंधित क्षेत्रों के नागरिकों को विलेखों के पंजीकरण और शासकीय अभिलेखों के सुरक्षित रख-रखाव में अत्यधिक सुगमता होगी। इस वर्चुअल शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के सभी 10 शिलान्यास स्थलों पर भव्य स्थानीय समारोहों का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के प्रमुख जनप्रतिनिधियों और गणमान्य व्यक्तियों ने गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। आगरा मंडल के मथुरा जनपद के सदर में आयोजित कार्यक्रम में राज्यसभा सदस्य श्री तेजवीर सिंह, सांसद श्रीमती हेमामालिनी, विधान परिषद सदस्य श्री योगेश चौधरी, विधान परिषद सदस्य श्री ठा० ओमप्रकाश सिंह तथा विधायक पं० श्रीकान्त शर्मा उपस्थित रहे। वहीं गोरखपुर मंडल के कुशीनगर जनपद के कप्तानगंज में आयोजित समारोह में सांसद श्री विजय कुमार दूबे तथा विधायक श्री विनय प्रकाश गोंड ने सहभागिता की। झांसी मंडल के झांसी जनपद के सदर में आयोजित कार्यक्रम में सांसद श्री अनुराग शर्मा, विधायक श्री राजीव सिंह पारीछा तथा विधायक श्री रवि शर्मा मौजूद रहे। देवीपाटन मंडल के गोण्डा जनपद के सदर में आयोजित शिलान्यास कार्यक्रम में विधायक श्री प्रतीक भूषण सिंह, विधान परिषद सदस्य श्री अवधेश कुमार सिंह (मंजू सिंह) तथा सांसद श्री कीर्तिवर्धन सिंह ने हिस्सा लिया।

पारदर्शी नीतियों और तकनीक से रेशम क्षेत्र में नई क्रांति, अंतिम किसान तक पहुंचेगा योजना का लाभ : मंत्री सचान

योगी सरकार की पहल से रेशम किसानों की आय में उछाल

- **मंत्री राकेश सचान ने किया सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का लोकार्पण, 08 उत्कृष्ट कीटपालकों को किया सम्मानित**

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन और मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश रेशम उत्पादन के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। बुधवार को खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा तथा वस्त्रोद्योग मंत्री राकेश सचान ने रेशम निदेशालय, गोमतीनगर में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के विस्तार एवं पीसीएस-एफ के अध्यक्ष कक्ष का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि योगी सरकार की किसान-हितैषी नीतियों से रेशम किसानों के जीवन में समृद्धि और आत्मनिर्भरता का नया दौर शुरू हुआ है। मंत्री सचान ने बताया कि प्रदेश के इतिहास में पहली बार शहतूती, टसर एवं एरी सेक्टर की सभी फसलों के ककून पर एमएसपी लागू की गई है। इसका सीधा लाभ किसानों को मिला है। वर्ष 2026-27 की शहतूती सेक्टर की ग्रीष्म फसल में 410324 कि.ग्रा. कोया का उत्पादन हुआ, जिसे किसानों ने 970.96 लाख रुपए में बेचा। यह पिछले वर्ष 2025-26 की तुलना में 273.44 लाख रुपए अधिक है। यानी रेशम किसानों की आय में 39 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गई है। समीक्षा बैठक में मंत्री सचान ने कहा कि योगी सरकार का संकल्प है कि हर योजना का लाभ पारदर्शिता के साथ अंतिम पात्र किसान तक पहुंचे। उन्होंने निर्देश दिए कि लाभार्थी चयन जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी की देखरेख में हो और प्रत्येक लाभार्थी का नाम, मोबाइल नंबर व दी गई सहायता का पूरा ब्यौरा तैयार कर भौतिक सत्यापन कराया जाए। इससे योजनाओं में शत-प्रतिशत पारदर्शिता सुनिश्चित होगी।

एमएसपी से 39 प्रतिशत बढ़ा मुनाफा

08 प्रगतिशील कीटपालकों को प्रशस्ति पत्र व शॉल देकर सम्मानित किया

इस उपलब्धि का उत्सव मनाते हुए मंत्री राकेश सचान एवं अपर मुख्य सचिव बी. एल. मीणा ने ग्रीष्म फसल, 2026 में सर्वाधिक लाभ अर्जित करने वाले 08 प्रगतिशील कीटपालकों को प्रशस्ति पत्र व शॉल देकर सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में गोरखपुर से सत्य प्रकाश सिंह एवं ब्रम्हदेव, गोण्डा से रेनू एवं ठकुराईन वर्मा, लखीमपुर से रामचन्द्र एवं कृष्ण कुमार तथा बहराइच से साहब दयाल एवं मालती शामिल रहे।

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में 540 दिनों की समयावधि मे पूर्ण होने वाली परियोजनाएं मात्र 200 दिनों में हुईं क्रियाशील

खाद्य प्रसंस्करण नीति : 2023 से निवेश व रोजगार को नई गति

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के कुशल मार्गदर्शन मे उत्तर प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग तेजी से एक प्रमुख औद्योगिक हब के रूप में विकसित हो रहा है। यूपी की खाद्य प्रसंस्करण नीति से निवेश, रोजगार और निर्यात को नई रफ्तार मिल रही है।प्रदेश सरकार द्वारा लागू उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति–2023 का उद्देश्य राज्य में निवेश, रोजगार और निर्यात को प्रोत्साहित करते हुए किसानों की आय में वृद्धि करना है। उप मुख्यमंत्री के नेतृत्व व निर्देशन मे खाद्य प्रसंस्करण विभाग, खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र मे सुदृढ़ नीति एवं पारदर्शी व्यवस्था के साथ आगे बढ़ रहा है। कृषि उत्पादन आयुक्त, उत्तर प्रदेश शासन एवं राज्य स्तरीय इम्पावर्ड समिति (एसएलईसी) के अध्यक्ष श्री दीपक कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति- 2023 के अंतर्गत गठित राज्य स्तरीय इम्पावर्ड समिति की 20वीं बैठक कृषि उत्पादन आयुक्त, के कार्यालय सभागार मे सम्पन्न हुई।

- **खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 से उत्तर प्रदेश बना निवेशकों की पहली पसंद**
- **किसानों की आय वृद्धि और स्टार्ट-अप को मिल रहा सशक्त समर्थन**
- **पीएमएफएमई क्रियान्वयन में उत्तर प्रदेश ने स्थापित किए नए कीर्तिमान**

540 परियोजनाओं को एसएलईसी द्वारा स्वीकृति प्रदान

बैठक मे अपर मुख्य सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, श्री बी एल मीणा द्वारा बताया गया कि उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के अंतर्गत 18 जून, 2026 तक कुल 1759 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 540 परियोजनाओं को एसएलईसी द्वारा स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। मार्च 2026 तक स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या 501 थी, जो बढ़कर 540 हो गई है। बैठक में यह भी अवगत कराया गया कि पूर्व में लेटर ऑफ कम्फर्ट (LOC) जारी करने में 60 से 70 दिन का समय लगता था, जो वर्तमान में 25 से 27 दिन हो गया है।

समयबद्ध एवं पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश

राज्य स्तरीय इम्पावर्ड समिति के अध्यक्ष दीपक कुमार ने कहा कि उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 किसानों की आय बढ़ाने, कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन, निवेश आकर्षित करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन का प्रभावी माध्यम बन रही है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निवेशकों को समयबद्ध एवं पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में उत्तर प्रदेश शीघ्र ही देश का अग्रणी निवेश गंतव्य बनकर उभरेगा तथा किसानों, उद्यमियों एवं युवाओं को इसका व्यापक लाभ प्राप्त होगा। चर्चा के मध्य अध्यक्ष महोदय द्वारा समिति के सदय / आई.आई.ए. के वाईस प्रेसिडेंट से यह अपेक्षा की गयी कि प्रदेश के पूर्वांचल जनपदों की प्रतिभागिता को बढ़ाने के भरपूर प्रयास किए जाय ।

यूपी के 29 पीसीएस अफसर आईएएस बने

तमसा संकेत, एजेंसी

- **जल्द नई तैनाती मिलेगी पेपर लीक की आरोपी रहीं अंजू कटारिया का नाम नहीं**

लखनऊ। यूपी के 29 पीसीएस अफसरों का मंगलवार देर रात प्रमोशन हो गया है। उन्हें IAS बना दिया गया है। प्रमोट होने वाले अफसरों में रेजिडेंट कमिश्नर, विशेष सचिव, अपर आयुक्त, एडीएम, सचिव और कई विकास प्राधिकरणों के अधिकारी शामिल हैं। 2010, 2011, 2012 बैच के कई अधिकारियों को पदोन्नति का लाभ मिला है।

प्रमोट होने वाले अधिकारियों में आलोक वर्मा, डॉ. विश्राम, पुष्पराज सिंह, विवेक श्रीवास्तव, योगानंद पांडेय, अमित कुमार, डॉ. सुनील कुमार वर्मा, गरिमा स्वरूप और संदीप कुमार समेत कई नाम शामिल हैं। इस फैसले से कई जिलों, मंडलों और विभागों में प्रशासनिक स्तर पर बदलाव होगा। प्रमोट हुए अफसरों को उनके पदों पर जल्द नई जिम्मेदारियां सौंपी जाएगी। प्रमोट होने वाले अफसरों की लिस्ट में पेपर लीक मामले में जेल जा चुकीं 2002 बैच की अंजू कटारिया का नाम नहीं हैं। 1997 बैच के हरिश चन्द्र, 1999 बैच के प्रभूनाथ, 2004 बैच के अमर पाल सिंह, 2008 बैच के आलोक वर्मा, डॉ. वैभव शर्मा और 2012 बैच के विश्वभूषण मिश्रा का नाम भी लिस्ट में नहीं है। आदेश आने से पहले इनका प्रमोशन पक्का माना जा रहा था।

संकल्प : मुख्यमंत्री योगी के आह्वान पर नन्हे-मुन्नों का रोली-तिलक और पुष्पवर्षा से हुआ स्वागत

स्कूल चलो अभियान के दूसरे चरण का शुभारंभ

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को सहारनपुर से स्कूल चलो अभियान के दूसरे चरण का शुभारंभ कर प्रदेश में शत-प्रतिशत नामांकन के संकल्प को नई गति दी। मुख्यमंत्री के आह्वान के साथ ही उत्तर प्रदेश के लगभग 1.32 लाख परिषदीय विद्यालयों में नए शैक्षिक सत्र का उत्साहपूर्ण शुभारंभ हुआ। विद्यालय पहुंचे नन्हे विद्यार्थियों का रोली-चंदन का तिलक लगाकर, पुष्पवर्षा, स्वागत गीतों और तालियों की गूंज के बीच आत्मीय अभिनंदन किया गया। प्रवेशोत्सव के माध्यम से बच्चों और अभिभावकों के लिए विद्यालयों में उत्सव जैसा वातावरण तैयार किया गया, जिससे नए सत्र की शुरुआत उत्साह और आत्मीयता के साथ हो सके। अभियान के दूसरे चरण में विद्यालय से बाहर बच्चों की पहचान, उनका नामांकन, ड्रॉपआउट बच्चों की पुनर्वापसी तथा नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया जाएगा। नए शैक्षिक सत्र के साथ शुरू हुआ यह अभियान उसी संकल्प को धरातल पर साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री के स्कूल अभियान के शुभारंभ के साथ ही सभी जनपदों के परिषदीय विद्यालयों में प्रवेशोत्सव आयोजित किए गए। शिक्षकों, जनप्रतिनिधियों, विद्यालय प्रबंधन समितियों, अभिभावकों और स्थानीय समुदाय की सहभागिता से बच्चों का स्वागत किया गया। अनेक विद्यालयों में सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रेरक गतिविधियां, पौधरोपण, पुस्तक वितरण और परिचय सत्र आयोजित किए गए। जिससे बच्चों का विद्यालय से भावनात्मक जुड़ाव मजबूत हो सके।

> प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि योगी सरकार का लक्ष्य केवल नामांकन बढ़ाना नहीं, बल्कि प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित, प्रेरक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण वातावरण उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के विजन को साकार करने में शिक्षा की अहम भूमिका है और उत्तर प्रदेश का बेसिक शिक्षा विभाग इस दिशा में पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रहा है।

1.32 लाख परिषदीय विद्यालयों में हुआ भव्य प्रवेशोत्सव

- **बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह बोले- हर बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना योगी सरकार की प्राथमिकता**
- **शत-प्रतिशत नामांकन, ड्रॉपआउट बच्चों की वापसी और नियमित उपस्थिति पर रहेगा विशेष फोकस**

खरीफ सीजन के लिए पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध उर्वरकों की कालाबाजारी

ओवर रेटिंग और जमाखोरी करने वालों के खिलाफ सरकार की सख्त कार्रवाई

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार वर्तमान खरीफ सीजन में फसलों की बुवाई व रोपाई हेतु किसानों को पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए कटिबद्ध है। इसके लिए सरकार भारत सरकार के निरंतर संपर्क में रहकर आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने के लिए आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

वर्तमान में प्रदेश में 15.66 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 5.28 लाख मीट्रिक टन डी०ए०पी०, 4.98 लाख मीट्रिक टन एन०पी०के०, 3.97 लाख मीट्रिक टन एस०एस०पी० एवं 1.14 लाख मीट्रिक टन एम०ओ०पी० उपलब्ध है। सहकारिता क्षेत्र में 6.04 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 2.89 लाख मीट्रिक टन डी०ए०पी० व 1.60 लाख मीट्रिक टन एन०पी०के० तथा निजी क्षेत्र में 9.61 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 2.39 लाख मीट्रिक टन डी०ए०पी० व 3.38 लाख मीट्रिक टन एन०पी०के० मौजूद है। वर्तमान में प्रतिदिन औसत 15,251 मीट्रिक टन यूरिया, 3,141 मीट्रिक टन डी०ए०पी० एवं 1,094 मीट्रिक टन एन०पी०के० की खपत किसानों द्वारा की जा रही है।

मण्डलवार उपलब्धता के तहत लखनऊ में सर्वाधिक 1,68,813 मीट्रिक टन यूरिया, 51,728 मीट्रिक टन डी०ए०पी० और 58,897 मीट्रिक टन एन०पी०के० उपलब्ध है। इसके अलावा बरेली में 1,34,275, कानपुर में 1,22,456 तथा प्रयागराज में 1,19,656 मीट्रिक टन यूरिया का स्टॉक है। आगरा मण्डल में 40,046 मीट्रिक टन डी०ए०पी० और कानपुर में 62,009 मीट्रिक टन एन०पी०के० मौजूद है। सहारनपुर, मेरठ, अलीगढ़, मुरादाबाद, झाँसी, चित्रकूट, वाराणसी, मिर्जापुर, आजमगढ़, गोरखपुर, बस्ती, देवीपाटन और अयोध्या मण्डलों के सहकारी एवं निजी क्षेत्रों में भी पर्याप्त खाद आरक्षित है। सरकार ने किसानों से अपनी कृषित भूमि या बैनामा के अनुसार शत-प्रतिशत फार्मर रजिस्ट्री कराने का अनुरोध किया है ताकि फसलों की आवश्यकतानुसार सुगमतापूर्वक उर्वरक मिल सके।

परिवार के 5 लोगों की मौत, बाप-बेटी, दामाद, 2 नातिन की जान गई

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर हादसा

दुर्घटना

■ बांगरमऊ इंस्पेक्टर अखिलेश पांडेय ने कहा-यात्रियों का कहना है कि बस ड्राइवर नशे में था। झपकी आने की वजह से हादसा हुआ। मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी है।

घायल आर्यन बोला पापा कार चला रहे थे, हम वृंदावन जा रहे थे

हादसे में मृतक विनोद का 16 साल का बेटा आर्यन घायल है। उसने बताया- हम संत कबीरनगर के बढ़या बाबू गांव के रहने वाले हैं। कार से वृंदावन घूमने जा रहे थे। पापा अपने दोस्त की कार लेकर मंगलवार रात करीब 8 बजे निकले थे। लखनऊ में थोड़ी देर रुकने के बाद आगरा एक्सप्रेस वे पर चढ़े। कार पापा चला रहे थे। सुबह बस ने हमारी कार को टक्कर मार दी।

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव । उन्नाव में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर बुधवार तड़के साढ़े 4 बजे स्लीपर बस ने अर्टिगा कार को टक्कर मार दी। हादसे में कार सवार एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई। इनमें 2 बच्चियां हैं। बस हरियाणा से बिहार जबकि कार लखनऊ से आगरा जा रही थी। यानी, दोनों गाड़ियां अलग-अलग लेन में थीं। तेज रफ्तार बस बेकाबू हो गई। डिवाइडर तोड़ते हुए दूसरी लेन में कार को टक्कर मारी और एक्सप्रेस-वे से नीचे गिरकर पलट गई।

टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। कार करीब 20 फीट तक घिसटती चली गई। चीख-पुकार मच गई। राहगीरों की सूचना पर पुलिस पहुंची। रेस्क्यू शुरू किया। बस की खिड़की के शीशे तोड़कर यात्रियों को बाहर निकाला। घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

हादसा जिला मुख्यालय से 65 किमी. दूर बांगरमऊ में हुआ। सीओ बांगरमऊ हर्ष मोदी ने बताया कि बस में 70 और कार में 9 लोग थे। कार सवार 4 और बस सवार 8 लोग घायल हैं।

हादसे में भुनभुन (60), उनकी छोटी बेटी अंजू (40), बड़ी बेटी का पति विनोद (45), विनोद की बेटी दिव्या (13) और अंजू की बेटी अमृता (6) की मौत हो गई। परिवार वृंदावन दर्शन के लिए जा रहा था। विनोद की पत्नी प्रिया (40), दूसरी बेटी अपराजिता (10) और अंजू की छोटी बेटी रिदा (5) घायल हैं। सभी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि हादसे में बस सवार 8 लोग घायल हैं। इनमें 7 नालंदा के रहने वाले हैं।

100 की स्पीड में थी बस

पुलिस के मुताबिक, बाबा ट्रैवलर की स्लीपर बस हरियाणा के झज्जर से बिहार के नालंदा जा रही थी। बस का नंबर- BR 06 PF 1024 था। जबकि कार संतकबीर नगर की है। उसका नंबर- UP 58 AK 3461 है। बस की स्पीड 100 के करीब थी। हादसे की सूचना मिलते ही डीएम घनश्याम मीना, एसपी जय प्रकाश सिंह ने घटनास्थल पर पहुंच हालात का जायजा लिया।

फर्जी सब इंस्पेक्टर गिरफ्तार नौकरी दिलाने के नाम पर लोगों से पैसे ऐंठें

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में बुधवार सुबह करीब 10 बजे एक फर्जी दरोगा पकड़ा गया। आरोप है कि युवक पुलिस की वर्दी पहनकर रिश्तेदारों और दोस्तों पर रौब जमाता था। इतना ही नहीं, वह लोगों को सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा देकर उनसे पैसे भी लेता था। जब लोग नौकरी के बारे में पूछते या अपने पैसे वापस मांगते, तो वह उन्हें जेल भेजने की धमकी देकर चुप करा देता था।

आरोपी की हरकतों पर उसके एक दोस्त को शक हुआ। उसने पुलिस से शिकायत की। सूचना मिलने पर पुलिस उसके घर पहुंची तो युवक पुलिसकर्मियों पर ही रौब झाड़ने लगा। हालांकि, पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर थाने ले गई। वहां उससे पूछताछ की जा रही है।

गिरफ्तार युवक की पहचान शिवपुर थाना क्षेत्र के इंदरपुर निवासी राजन (22) के रूप में हुई है। मामला चोलापुर थाना क्षेत्र का है।

चोलापुर थाना प्रभारी सधुबन राम गौतम ने बताया- पूरे मामले की जांच की जा रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि उसके खिलाफ लगाए गए आरोपों में कितनी सच्चाई है।

पुलिस के मुताबिक आरोपी पुलिस की वर्दी पहनता था। उसका व्यवहार और बातचीत का तरीका भी पुलिस अधिकारी जैसा था। पहली नजर में उसकी पहचान करना आसान नहीं था। पुलिस ने उसे पकड़कर थाने पहुंचाया। आरोप है कि युवक अपने एक दोस्त को यूपी पुलिस में नौकरी दिलाने का भरोसा देकर उससे पैसे मांग रहा था। इसी शिकायत के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई की।

चोलापुर थाना प्रभारी सधुबन राम गौतम ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

फास्ट न्यूज

आकाशीय बिजली से किसान की मौत

वाराणसी । राणसी के बड़ागांव थानांतर्गत पश्चिमपुर (धनंजयपुर) गांव में बुधवार शाम आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में मातम का माहौल है। बुधवार शाम करीब 5 बजे संतोष प्रजापति पुत्र बोधई प्रजापति खेतों की ओर गए थे, इसी दौरान बारिश शुरू हो गई। बारिश के बीच आसमान में तेज आवाज के साथ आकाशीय बिजली की गर्जना हुई और संतोष उसकी चपेट में आ गए।

राममंदिर के लिए काशी से हायर हुए थे 22 कर्मचारी

वाराणसी । अयोध्या में राममंदिर सुरक्षा और कोष सुरक्षा में तैनात कर्मचारियों की हायरिंग वाराणसी की सिक्योरिटी एजेंसी ने की थी। एजेंसी ने अयोध्या राम मंदिर में तैनाती के लिए 22 कर्मचारी दिए थे। इन कर्मचारियों के हवाले मंदिर और कोष की सुरक्षा थी। ये सभी लोग अयोध्या के रहने वाले हैं। इनकी ज्वाइनिंग बनारस से कराई गई थी। इनकी हायरिंग के लिए अयोध्या में तैनात स्टेट बैंक के चीफ मैनेजर ने सिफारिश की थी। चीफ मैनेजर के कहने के बाद इन 22 लोगों को हायर किया गया था।

महिला का शव रस्सी के फंदे से लटका मिला

हरदोई। हरदोई के बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र के जफरपुर गांव में बुधवार सुबह करीब 10 बजे 35 वर्षीय महिला का शव घर के बरामदे में फंदे से लटका मिला। खेत से लौटे बच्चों ने अपनी मां को फंदे पर झूलता देखा, जिसके बाद उनकी चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण और परिजन मौके पर जमा हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लिया दोपहर बाद शव का पोस्टमार्टम हुआ।

प्रेमी-प्रेमिका को टैंकर ने रौंदा, युवक की मौत

बाराबंकी में भाभी की बहन को भगाकर ले गया था

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में अपनी भाभी की बहन को भगा ले जाने के बाद उसे वापस घर छोड़ने जा रहे युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। घटना बुधवार सुबह करीब 8 बजे हुई, जब युवक बाइक से अपनी प्रेमिका को उसके घर बहराइच छोड़ने जा रहा था।

तभी जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर रामनगर थाना क्षेत्र में बहराइच–रामनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक मोड़ पर टैंकर ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइक समेत टैंकर के बंपर के नीचे फंस गए और करीब 12 मीटर तक घिसटते चले गए।

युवती तो छिटककर दूर जा गिरी, लेकिन युवक पहिए के नीचे आकर कुचल गया और मौके पर ही उसकी

मौत हो गई। युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। उसकी आज ही शादी होनी थी। चार दिन पहले वह अपने जीजा के छोटे भाई अनिकेत के साथ घर से चली गई थी।

फिलहाल, दुल्हन के घायल होने के बाद परिजनों ने उसके होने वाले दूल्हे का विवाह उसकी छोटी बहन से तय कर दिया है। आज रात ही दोनों की शादी होगी। मातम के बीच सादगी के साथ शादी की तैयारियां की जा रही हैं। बहराइच के फखरपुर थाना क्षेत्र के पटूहा गांव निवासी अनिकेत वर्मा (21) शटरिंग का काम करता था।

घर में खून से लथपथ मिली लाश, बेटी बोली- हत्यारों की गिरफ्तारी तक अंतिम संस्कार नहीं करेंगे

यूपी पुलिस के सिपाही की मां की गला रेतकर हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ में बुधवार को यूपी पुलिस के एक कांस्टेबल की मां की गला रेतकर हत्या कर दी गई। महिला का शव घर के अगले हिस्से में बनी बैठक में खून से लथपथ मिला। सुबह करीब 7 बजे पड़ोस में रहने वाली एक महिला उन्हें बुलाने पहुंची तो शव देखकर शोर मचा दिया। इसके बाद आसपास के लोग मौके पर जुट गए और पुलिस को सूचना दी। पुलिस के मुताबिक, महिला के गले से सोने की चेन और कानों के कुंडल गायब मिले हैं।

वारदात परीक्षितगढ़ थाना क्षेत्र के रामनगर गांव की है। मृतका की पहचान फूल समंदरी (68) के रूप में हुई है। वह घर में अकेली रहती थीं। उनका एक बेटा संभल में यूपी

पुलिस में कांस्टेबल है, जबकि दूसरा बेटा परीक्षितगढ़ में कपड़ों की सिलाई का काम करता है।

हत्या की वजह फिलहाल साफ नहीं हो सकी है। मृतका की बेटी ने कहा, ?हत्यारों की गिरफ्तारी तक हम अंतिम संस्कार नहीं करेंगे। उधर, पुलिस और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाकर जांच शुरू कर दी है। फूल समंदरी के पति राम सिंह की पहले ही

मंगलवार रात फूल समंदरी की हस्तिनापुर निवासी अपने भतीजे सोनू कुमार से फोन पर बात हुई थी। सोनू ने बताया कि उसकी बेटी की शादी है। इस पर फूल समंदरी ने कहा था कि वह भी समारोह में शामिल होने आएंगी। बुधवार सुबह करीब 7 बजे सोनू ने दोबारा फोन किया, लेकिन मोबाइल स्विच ऑफ मिला। कुछ देर बाद उसे सूचना मिली कि उसकी बुआ की गला रेतकर हत्या कर दी गई है।

मौत हो चुकी थी। परिवार में दो बेटे और चार बेटियां हैं। बड़ा बेटा मोनू गांव से करीब 6 किलोमीटर दूर परीक्षितगढ़ में कपड़े सिलाई की दूकान चलाता है, जबकि छोटा बेटा विपिन संभल में यूपी पुलिस में कांस्टेबल है। चारों बेटियों की शादी हो चुकी है, इसलिए फूल समंदरी घर में अकेली रहती थीं। गांववालों के अनुसार, मंगलवार शाम करीब 7 बजे वह खेत से काम करके घर लौटी थीं।

■ महिला की मौत के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

शोर मचाया तो जुटे ग्रामीण

शव देखते ही शरबती ने शोर मचा दिया। आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। इसके बाद परिजनों और पुलिस को सूचना दी गई। थाना प्रभारी सुदीश सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए और पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी।

ईस्ट वेस्ट कॉरिडोर के अंडरग्राउंड सेक्शन के लिए 1877.89 करोड़ का बड़ा टेंडर जारी

चारबाग से चौक तक भूमिगत मेट्रो निर्माण में महत्वपूर्ण कदम

तमसा संकेत, संवादाता

लखनऊ । मेट्रो परियोजना के ईस्ट–वेस्ट कॉरिडोर (फेज-1बी) के निर्माण में एक अहम प्रगति दर्ज की गई है। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (यूपीएमआरसी) ने चारबाग से चौक तक प्रस्तावित अंडरग्राउंड सेक्शन के निर्माण के लिए लगभग 1877.89 करोड़ का सिविल टेंडर जारी किया है। यह अब तक का इस कॉरिडोर का सबसे बड़ा सिविल निर्माण टेंडर माना जा रहा है, जिससे परियोजना को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया तेज हो गई है।

ईस्ट–वेस्ट कॉरिडोर की कुल लंबाई 11.165 किलोमीटर निर्धारित की गई है, जो चारबाग से वसंतकुंज तक विकसित किया जा रहा है। इस पूरे मार्ग में एलिवेटेड और अंडरग्रा-

उंड दोनों प्रकार के सेक्शन शामिल हैं, जिनका निर्माण समानांतर रूप से किया जा रहा है ताकि परियोजना को तय समयसीमा में पूरा किया जा सके। लखनऊ मेट्रो फेज-1बी (ईस्ट–वेस्ट कॉरिडोर) पर कुल लगभग 5801 करोड़ का निवेश किया जा रहा है, जिसके तहत कुल 12 स्टेशन बनाए जाएंगे, जिनमें 5 एलिवेटेड और 7 अंडरग्राउंड स्टेशन शामिल हैं। इस पूरे प्रोजेक्ट का उद्देश्य पुराने लखनऊ और घनी आबादी वाले क्षेत्रों को बेहतर मेट्रो कनेक्टिविटी देना, सड़क यातायात का दबाव कम करना और शहर में पर्यावरण-अनुकूल सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना है। यूपीएमआरसी के एमडी सुशील कुमार ने कहा है कि अंडरग्राउंड सेक्शन का यह टेंडर जारी होना परियोजना के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उनके अनुसार एलिवेटेड और अंडरग्राउंड दोनों हिस्सों पर एक साथ काम शुरू होने से निर्माण कार्य में तेजी आएगी और परियोजना को समय पर पूरा करने में मदद मिलेगी।

टेंडर प्रक्रिया और निर्माण समयसीमा

यूपीएमआरसी के अनुसार इस टेंडर को 28 जुलाई 2026 को खोला जाएगा और सफल बोलीदाता के चयन के बाद कार्यादेश जारी किया जाएगा। निर्माण कार्य शुरू होने के बाद इसे 36 महीने के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है ताकि परियोजना निर्धारित समय पर जनता के लिए शुरू की जा सके।

सात भूमिगत मेट्रो स्टेशनों का निर्माण

इस टेंडर के अंतर्गत चारबाग से चौक तक सात अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशनों का निर्माण किया जाएगा, जिनमें चारबाग, गौतमबुद्ध मार्ग, अमीनाबाद, पांडेयगंज, सिटी मेट्रो स्टेशन, मेडिकल चौराहा और चौक स्टेशन शामिल हैं। इन सभी स्टेशनों के साथ आधुनिक तकनीक से भूमिगत सुरंग (टनल) निर्माण कार्य भी किया जाएगा, जिससे मेट्रो संचालन को सुरक्षित और सुचारू बनाया जा सके। परियोजना के तहत चौक मेट्रो स्टेशन को एलिवेटेड कॉरिडोर से जोड़ने के लिए लगभग 350 मीटर लंबा रैंप भी बनाया जाएगा, जिससे भूमिगत और ऊंचे हिस्सों के बीच निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित हो सकेगी और यात्री सुविधा बेहतर हो सकेगी।

वेनेजुएला में मारे गए भारतीय नाविक के ब्रेन, फेफड़े और दिल निकाले गए

पोस्टमॉर्टम में शरीर पर 22 कट मिले, 55 दिन पहले शिप पर मौत हुई थी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । वेनेजुएला में ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले भारतीय नाविक राकेश चौहान (33) की बॉडी से दिमाग, फेफड़े, दिल, लीवर, किडनी समेत कई अंग गायब मिले हैं। यह आरोप चौहान की फैमिली ने लगाया है।

फॉरवर्ड सीमेन यूनियन ऑफ इंडिया (FSUI) ने यह जानकारी सोशल मीडिया पोस्ट में दी। पीड़ित परिवार का आरोप है कि शव का दोबारा पोस्टमॉर्टम हुआ तो शरीर पर 22 टांके मिले। बॉडी से तिल्ली (प्लीहा या स्प्लीन), अग्न्याशय (पैंक्रियास), आंतें, थायरॉयड ग्लैंड, पैंक्रियास, गॉल ब्लेडर, वॉइस बॉक्स और श्वास नली भी गायब थे।

राकेश चौहान उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के रहने वाले थे। उन्होंने नवंबर 2025 में मर्चेंट नेवी जॉइन की थी और वेनेजुएला में

मरीन फिटर के रूप में काम कर रहे थे।

परिवार ने कहा कि राकेश का शव भारत पहुंचने के बाद डॉक्टरों की टीम ने उसका परीक्षण किया, लेकिन पोस्टमॉर्टम नहीं किया। कहा गया कि वेनेजुएला में पहले ही पोस्टमॉर्टम हो चुका था। इसके बाद देवरिया के कलेक्टर मधुसूदन हुलगी के निर्देश पर दूसरा पोस्टमॉर्टम कराया गया।

परिवार के अनुसार, जांच में पता चला कि राकेश के शरीर से ब्रेन समेत अंदरूनी अंग गायब थे। विसरा भी नहीं मिला। इस कारण फोरेंसिक जांच भी संभव नहीं हो सकी।

55 दिन पहले शिप पर गिरने से मौत हुई

परिवार के मुताबिक 7 मई को कंपनी ने फोन कर बताया कि राकेश जहाज पर गिर गए हैं और उन्हें गंभीर चोटें आई हैं। अगले दिन परिवार से कहा गया कि उनके बचने की संभावना सिर्फ 5% है। उसी शाम कंपनी ने राकेश की मौत की सूचना दी। कंपनी का दावा था कि चक्कर आने से गिरने के बाद इलाज के दौरान हार्ट अटैक से उनकी मौत हुई।

पृष्ठ 01 का शेष...

'हर बच्चे को ...

योगी ने इस्माइलपुर कंपोजिट स्कूल में स्कूल चलो अभियान के दूसरे चरण की शुरुआत भी की। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से बेसिक स्कूलों का कायाकल्प हुआ है। पिछले 9 साल के दौरान बेसिक स्कूलों की हालत बेहतर हुई है। शिक्षा में सुधार हुआ है। सरकार हर बच्चे को बेहतर शिक्षा देने का प्रयास कर रही है। इस दौरान सीएम ने स्कूली बच्चों को खाना भी परोसा।

प्रदेश में एक लाख से ज्यादा राजस्व गांव है, लेकिन उन्हें सिर्फ सैफई की चिंता थी। अब भाजपा की डबल इंजन की सरकार सभी 57 हजार ग्राम पंचायतों की चिंता करती है। सहारनपुर की चिंता करती है। सभी जगह विकास बराबर से हो रहा है। सपा की सरकार में सिर्फ एक ही विचारधारा के नाम से योजना बनती थी। संस्थाओं का नाम किसी दूसरे महापुरुष के नाम पर नहीं होता था। कन्नौज में मेडिकल कॉलेज के नाम से बाबा आंबेडकर का नाम हटवा दिया था।

सीएम योगी ने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि सपा ने उपद्रवियों पर मुकदमा नहीं चलाया, उल्टा उनके केस वापस लेने की कोशिश कर रही थी। जब हमारी सरकार आई, तब हमने कहा कि उपद्रवी बख्शे नहीं जाएंगे। पिछले दिनों हमने उन्हें सजा भी करवा दी।

योगी ने कहा कि जाति के नाम पर बांटने वाले लोग आपको कमजोर कर रहे हैं। क्षेत्र के नाम पर बांटने वाले लोग कमजोर कर रहे हैं। इनके बहकावे में आने की जरूरत नहीं। इनका दोहरा चरित्र देखिए। ये वो लोग हैं, जिनकी कभी आस्था नहीं थी।

सपा के गुर्गे पैसा...

अब उसी पैसे से कॉरिडोर बन रहा है। टू लेन और फोर लेन बन रहा है। यह वही पैसा है, जो कारीगरों के जीवन में लग रहा है। सरसावा में सिविल टर्मिनल बनाने में खर्च हो रहा है। रनवे बनाने में खर्च हो रहा है। जिन लोगों के पास नजरिया नहीं था, उन्होंने विकास नहीं किया।

दावा : सरकार ने ...

मेटा ने अपने वॉट्सएप में मोबाइल नंबर बताए बिना चैट करने वाला फीचर लॉन्च किया है। इसमें लोग सिर्फ यूजरनेम के जरिए किसी नए व्यक्ति से चैट कर सकते हैं।भारत में वॉट्सएप के 50 करोड़ से ज्यादा यूजर्स हैं। इतने बड़े यूजर बेस की सुरक्षा और फेक प्रोफाइल से होने वाले फ्रॉड रोकने के लिए सरकार नए फीचर के सेफ्टी स्टैंडड्र्स परखना चाहती है। कंपनी ने 29 जून से दुनियाभर में यूजरनेम का रजिस्ट्रेशन शुरू कर दिया है। हालांकि, यह सुविधा सभी यूजर्स को एक साथ नहीं मिलेगी। आने वाले कुछ महीनों में इसे धीरे-धीरे सभी देशों में रोल आउट किया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर में...

उत्तराखंड में बारिश से देहरादून में रिस्पना नदी उफान पर है। गंगा के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए ऋषिकेश में मंगलवार शाम से राफ्टिंग पर 31 अगस्त तक रोक लगा दी गई है।

नवी मुंबई में लगातार हो रही बारिश के बीच बुधवार को सड़क पर भरे पानी में करंट फैल गया। इस दौरान नेरुल के एलपी ब्रिज के नीचे से गुजर रहीं टू-व्हीलर सवार दो छात्राएं करंट लगने से गिर गईं। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। देश में इस साल जून महीने में 1901 के बाद पांचवीं सबसे कम बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार, जून में सामान्य 165.3mm के मुकाबले केवल 99.5mm बारिश हुई, जो 39.8% कम है। IMD ने बताया कि अगले दो से तीन दिनों में दक्षिण-पश्चिम मानसून दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और पूरे जम्मू-कश्मीर में पहुंच सकता है। अल नीनो के असर के कारण इस साल मानसून प्रभावित हुआ है।

यूनिसेफ की 'चिल्ड्रन्स क्लाइमेट रिस्क रिपोर्ट 2026' के अनुसार, भारत में करीब 8.93 करोड़ बच्चे ऐसे इलाकों में रहते हैं, जहां हीटवेव का खतरा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश के लगभग 99.7 प्रतिशत बच्चे किसी न किसी जलवायु संबंधी खतरे का सामना कर रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, 96.2 प्रतिशत भारतीय बच्चे सूखे के खतरे वाले क्षेत्रों में रहते हैं, जबकि 92 प्रतिशत बच्चे तेज गर्मी से प्रभावित हैं, जहां तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच जाता है। रिपोर्ट ने बच्चों पर बढ़ते जलवायु संकट को गंभीर चिंता का विषय बताया है।

आरोपी अविनाश के...

अविनाश के अयोध्या स्थित योग सेंटर पर 28 जून को पुलिस ने छापा मारा था। तब एक संदूक बरामद हुआ था। उस पर लाल रंग से 'रामराज्य कोष' लिखा था। पेटीएम का QR कोड लगा था। छापेमारी का वीडियो बुधवार सुबह सामने आया।

इस बीच, राम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास महाराज की तबीयत बिगड़ गई है। उन्हें लखनऊ मेदांता में भर्ती कराया गया है। हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. राकेश कपूर ने बताया- महंत को 29 जून यानी सोमवार को लाया गया था। उन्हें सांस लेने में तकलीफ और यूरिन इन्फेक्शन था।

चंपत राय से रविवार को पुलिस ने करीब 3 घंटे पूछताछ की थी। पूछा कि उन्हें चढ़ावा चोरी का पता पहली बार कब और कैसे लगा। उसके बाद क्या-क्या किया। इससे पहले, कोर्ट ने सोमवार को चढ़ावा चोरी में गिरफ्तार 8 आरोपियों की न्यायिक हिरासत 14 दिन बढ़ा दी।

राम मंदिर में पिछले 17 साल से तैनात रेडियो ऑपरेशन अधिकारी (RMO) अर्जुन देव का तबादला गोरखपुर कर दिया गया। SIT ने उनकी भूमिका को भी जांच के दायरे में लिया है। चढ़ावे की गिनती वाले काउंटिंग रूम के CCTV समेत राम मंदिर परिसर में लगे 1600 कैमरों की निगरानी की जिम्मेदारी उनके पास थी। चोरी का मामला पहली बार 7 जून को सामने आया था। यूपी सरकार ने 13 जून को SIT बनाई। 25 जून को FIR हुई। रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू समेत 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इसी दिन मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा ने इस्तीफा दे दिया।

एसआईटी को जांच ...

सबसे लंबी पूछताछ अविनाश से हुई। दो घंटे चली पूछताछ में 5 जून को अविनाश के घर से बरामद कैश और गहनों को लेकर सवाल-जवाब किए गए।

भाजपा अपना...

सपा नेता की कालभैरव कोतवाली के इंस्पेक्टर दयाशंकर सिंह से कहासुनी हुई। सपा नेता ने अंगुली दिखाकर कहा- आप जैसे इंस्पेक्टर बहुत देखे हैं। मैं सम्मान कर रहा हूं, आप सिर पर चढ़े जा रहे हैं।

वहीं, सपा नेता इकलाख ने दादामियां की दरगाह पर चादर चढ़ाई। लखनऊ में कई जगह अखिलेश को 'भावी पीएम' दिखाते हुए पोस्टर लगे हैं। सैफई में सुबह 9 बजे चाचा रामगोपाल यादव ने केक काटा। 53 पौधे लगाकर भतीजे का जन्मदिन मनाया।

मुरादाबाद सांसद रूचिवीरा ने 53 फीट लंबा केक बनवाया है। सपा प्रवक्ता अनुराग भदौरिया ने 53 पुशअप लगाए। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और बसपा सुप्रीमो मायावती ने भी अखिलेश को बधाई दी। अखिलेश ने अपने बर्थडे पर एक सहयोग अभियान लॉन्च किया। क्यूआर कोर्ड जारी करते हुए लोगों से 20-20 रुपए का सहयोग मांगा है।

नायरा का पेट्रोल पांच ...

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम 73 डॉलर प्रति बैरल पर आ गए हैं। अमेरिका-ईरान जंग के चलते ये 100 डॉलर के पार निकल गया था। तनाव कम होने से दाम घटे हैं।

अभी सरकारी तेल कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (IOC), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (BPCL) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (HPCL) ने कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है।

प्राइवेट कंपनी के दाम बढ़ाने के बाद सरकारी तेल कंपनियों ने भी कीमतें बढ़ाई थीं। मई में IOC, BPCL और HPCL ने महंगे अंतरराष्ट्रीय क्रूड का हवाला देते हुए किस्तों में पेट्रोल और डीजल दोनों के दामों में कुल 7.50-7.50 प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी।

मैक्सिको ने 40 साल बाद नॉकआउट मैच जीता, जश्न में 2 फैंस की मौत

फुटबॉल वर्ल्डकप में एमबाप्पे के डबल गोल से जीता फ्रांस

खेल

नई दिल्ली, एजेंसी

पिछली बार की फाइनलिस्ट फ्रांस ने बुधवार के पहले मैच में स्वीडन को 3-0 से हराकर फुटबॉल वर्ल्ड कप के राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली। साथ ही सह-मेजबान मैक्सिको ने इक्वाडोर को 2-0 से हराकर 40 साल बाद नॉकआउट राउंड का मैच जीता है। इस जीत के शहर के कई जगह सेलिब्रेशन हुए। इस दौरान 2 फैंस की दम घुटने से मौत हो गई।

न्यूयॉर्क के न्यू जर्सी स्टेडियम में फ्रांस के लिए किलियन एमबाप्पे ने

दो और ब्रैडली बारकोला ने एक गोल किया। मैक्सिको सिटी स्टेडियम में मैक्सिको के जूलियन क्विन्योनेस ने 22वें और राउल जिमेनेज ने 31वें मिनट में गोल किए। इंजरी टाइम के 5वें मिनट में पिएरो हिनकापिए को रेड कार्ड मिला। अब फ्रांस का सामना पैराग्वे से 5 जुलाई को होगा। जबकि, मैक्सिको 6 जुलाई को इंग्लैंड और कांगो डीआर के विजेता से खेलेगी। 1986 में अपने घर में खेले गए वर्ल्ड कप में बुल्गारिया को हराने के बाद यह पहली बार है, जब मैक्सिको ने नॉकआउट चरण का कोई मुकाबला जीता है। इसके बाद टीम 1994, 1998, 2002, 2006, 2010, 2014 और 2018 वर्ल्ड कप में लगातार सात नॉकआउट मुकाबले हार गई थी। वहीं, 2022 कतर वर्ल्ड कप में टीम ग्रुप चरण से ही बाहर हो गई थी।

फ्रांस के कोच दिदिए देशां अपनी मां के अंतिम संस्कार के बाद टीम से जुड़े। मैच के अंत में जब एमबाप्पे को बदला गया तो देशां ने झुककर उनका अभिवादन किया। फ्रांस अब तक टूर्नामेंट में 13 गोल कर चुका है और सिर्फ दो गोल खाए हैं। माइकल ओलिसे पांच गोल में असिस्ट दे चुके हैं।

सेलिब्रेशन के दौरान एक मैक्सिकन फैन।

ओलिसे ने 2 गोल असिस्ट किए

फ्रांस ने पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा। टीम ने स्वीडन पर 25-7 से शॉट लगाए, जिनमें पहले हाफ में 15-3 की बढ़त रही। पहले एमबाप्पे और फिर माइकल ओलिसे की साइकिल किक पोस्ट से टकराई। इसके बाद एमबाप्पे ने ओलिसे के प्रयास पर मिले मौके को गोल में बदला। 53वें मिनट में गुस्ताफ लागरबिएल्के से गेंद छिनने के बाद ऑरेलियन चुआमेनी ने ओलिसे को पास दिया। ओलिसे ने शानदार मूव बनाते हुए बारकोला को गेंद दी और उन्होंने गोल कर बढ़त 2-0 कर दी। तीसरा गोल भी ओलिसे और बारकोला की मदद से एमबाप्पे ने किया।

एमबाप्पे वर्ल्ड कप में नॉकआउट के टॉप गोल स्कोरर

एमबाप्पे ने 45वें और 74वें मिनट में गोल किए। उन्होंने इस वर्ल्ड कप में तीसरी बार डबल गोल किए हैं। टूर्नामेंट में उनके छह गोल हो गए हैं। उन्होंने इस एडिशन के टॉप गोल स्कोरर की लिस्ट में अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी की बराबरी कर ली है।

एमबाप्पे वर्ल्ड कप के नॉकआउट मुकाबलों में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उनके 10 गोल हो गए हैं। उन्होंने ब्राजील के दिग्गज लियोनिडास और रोनाल्डो के आठ-आठ गोल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। एमबाप्पे ने वर्ल्ड कप करियर में 18वां गोल किया है। वे मेसी (19 गोल) के वर्ल्ड रिकॉर्ड से सिर्फ एक गोल पीछे हैं।

न्यूजीलैंड की ओडीआई टीम का एलान मैट फिशर को पहली बार मौका

नई दिल्ली, एजेंसी

वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी 5 मैचों की वनडे सीरीज के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम का एलान हो गया है। कीवी टीम में पहली बार मैथ्यू फिशर को मौका मिला है, जबकि धाकड़ तेज गेंदबाज जैकब डफी की वापसी हुई है। 11 जुलाई से इस सीरीज का आगाज होना है, जिसमें कुछ खिलाड़ी खेलते हुए नजर नहीं आएंगे, क्योंकि वह अमेरिका में जारी मेजर लीग क्रिकेट का हिस्सा हैं, जिसमें रचिन रविंद्र का नाम भी शामिल हैं। न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज दौरे के लिए वनडे टीम का एलान किया दरअसल, न्यूजीलैंड ने अपने 16 सदस्यीय स्क्वॉड का एलान कर दिया है। विंडीज के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज के लिए बॉलर मैट फिशर को पहली बार वनडे टीम में मौका मिला है, जबकि इंग्लैंड टेस्ट दौरे को मिस करने के बाद जैकब डफी की वापसी हुई है। 26 साल के मैट फिशर की बात करें तो उन्होंने लिस्ट-ए क्रिकेट में घरेलू स्तर पर अच्छा परफॉर्म किया है।

25 मैचों में उन्होंने 43 विकेट चटकाए। वह इंटरनेशनल डेब्यू कर चुके हैं। उन्होंने आखिरी टेस्ट मैच 2025 अगस्त में खेला था, जबकि बांग्लादेश के खिलाफ अप्रैल 2026 में आखिरी टी20आई मैच खेला। आईसीसी मेंस टी20 विश्व कप 2026 फाइनल के बाद जैकब डफी पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नजर आएंगे। वह अपने पहले बच्चे के जन्म की वजह से इंग्लैंड टेस्ट टूर मिस कर बैठे थे। कीवी टीम की कप्तानी मिचेल सेंटनर ही करेंगे, जबकि टॉम लैथम की बतौर विकेट-कीपर वापसी हुई। स्पिन डिपार्टमेंट में माइकल ब्रेसवेल, जायडेन लेनॉक्स और डीन फॉक्सक्राफ्ट शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलिया 8वीं बार फाइनल में पहुंची

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज को 8 विकेट से हराया

लंदन, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में वेस्टइंडीज को 8 विकेट से हरा दिया। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया आठवीं बार विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंच गई है।

लंदन के द ओवल स्टेडियम में वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 125 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 13 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर टारगेट हासिल कर लिया। फाइनल में ऑस्ट्रेलिया का सामना दूसरे सेमीफाइनल की विजेता से होगा। दूसरा सेमीफाइनल साउथ अफ्रीका और मेजबान इंग्लैंड के बीच 2 जुलाई को इसी मैदान पर खेला जाएगा। फाइनल लॉर्ड्स में 5 जुलाई को होगा। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस

जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। वेस्टइंडीज के दोनों ओपनर्स हेली मैथ्यूज और कियाना जोसेफ ने धीमी शुरुआत की। पावरप्ले में विकेट ना गंवाने के बावजूद टीम सिर्फ 35 रन ही बना सकी।

9वें ओवर में 47 रन के टीम स्कोर पर हेली के रुप में पहला झटका लगा। वे 28 गेंद पर 30 रन बनाकर जॉर्जिया वारेहम की गेंद पर बोल्ड हुई।

टीम ने लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए। 16वें ओवर में वेस्टइंडीज का स्कोर 83 रन पर 6 विकेट हो गया।

उम्मीद है भारत उसे नहीं खिलाएगा

नई दिल्ली। आयरलैंड से मिली हार के बाद भारतीय टीम बुधवार से इंग्लैंड के विरुद्ध अपने अभियान की शुरुआत करेगी। पांच मैच की टी-20 सीरीज से पहले इंग्लैंड के टॉम बैंटन ने दैनिक जागरण से विशेष बातचीत की। इंग्लैंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज बैंटन का मानना है कि आयरलैंड से मिली हार के बाद भारतीय टीम और खतरनाक हो गई होगी। वह वैभव सूर्यवंशी से बहुत प्रभावित भी दिखे। बैंटन ने कहा कि निश्चित तौर पर भारतीय टीम ज्यादा खतरनाक हो सकती है। पांच मैच की सीरीज के पांचों मैच में अलग-अलग खिलाड़ी आगे आकर भारत को जिता सकते हैं। भारत के पास बहुत शानदार खिलाड़ी हैं। वो दो मैच हारकर आ रहे हैं लेकिन वो लोग अपनी गलतियों से बहुत तेजी से सीखते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे लिए भी ये अच्छा मौका है। मैं इस सीरीज के लिए बहुत उत्साहित हूं। बैंटन ने ये भी कहा कि उन्होंने वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाजी खूब देखी है।

24 साल छोटी ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने हराया, इगा स्वियातेक अगले राउंड में

संन्यास से लौटीं सेरेना के पहले राउंड में हारीं

लंदन, एजेंसी

रिटायरमेंट से वापसी कर रही सेरेना विलियम्स को विंबलडन के पहले ही राउंड में हार गई हैं। 44 साल की सेरेना को उनसे 24 साल छोटी ऑस्ट्रेलिया की माया जॉइंट ने 6-3, 6-7, 6-3 से हराया। 23 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सेरेना अब लेडीज डबल्स कैटेगरी में अपनी बड़ी बहन वीनस विलियम्स के साथ चुनौती पेश करेंगी। सेरेना ने करीब चार साल (1,462 दिन) बाद इस चैंपियनशिप से वापसी की। उन्हें लेडीज सिंगल्स और डबल्स कैटेगरी में वाइल्ड कार्ड एंट्री दी गई। 2022 में मां बनने के बाद उन्होंने इंटरनेशनल करियर से रिटायरमेंट ले लिया था। महिला सिंगल्स की

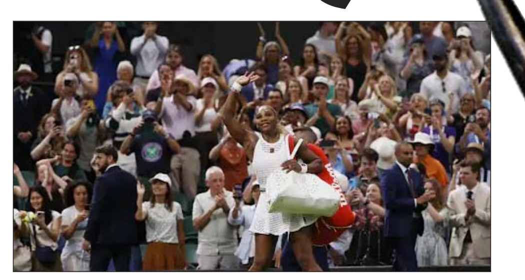

सेरेना को ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने 6-3, 6-7, 6-3 से हराया।

मौजूदा चैंपियन पोलैंड की इगा स्वियातेक को भी अपने पहले दौर के मुकाबले में काफी पसीना बहाना पड़ा। तीसरी वरीयता प्राप्त स्वियातेक ने अमेरिका की टेलर टाउनसेंड को 6-1, 2-6, 6-3 से हराया। पहला सेट 6-1 से आसानी से जीतने के बाद दूसरा सेट हार गईं। तीसरे सेट के पहले गेम में उन्होंने तीन डबल फॉल्ट करने के बावजूद चार ब्रेक पॉइंट बचाए और अंततः दो घंटे से अधिक चले मैच को जीत लिया।

बुल्गारिया के 35 साल के खिलाड़ी ग्रिगोर दिमित्रोव ऑस्ट्रेलिया के डेन स्वीनी को सीधे सेटों में 7-6, 6-3, 7-5 से हरा दिया। दिमित्रोव पिछले साल इसी कोर्ट पर यानिक सिनर के खिलाफ 2 सेट की बढ़त लेने के बाद पेक्टोरल इंजरी (सीने की मांसपेशी में चोट) के कारण मैच से हट गए थे।

उम्र से 24 साल छोटी खिलाड़ी से हारी सेरेना

सेरेना विलियम्स थोड़ी थकी और लय से बाहर नजर आईं। पहले सेट में ऑस्ट्रेलिया की माया जॉइंट ने उनकी कमजोरियों का फायदा उठाया और यह सेट आसानी से 6-3 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में सेरेना ने शानदार वापसी की। दो बार ब्रेक पॉइंट पर पिछड़ने के बाद उन्होंने खेल को टाइ-ब्रेकर तक खींचा और दूसरा सेट 7-6 से जीत लिया। हालांकि, तीसरे सेट में शारीरिक थकान उन पर हावी हो गई और माया ने आखिरी सेट 6-3 से जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। सेरेना ने बयान में कहा- 'विंबलडन में वापस आना वास्तव में बहुत अच्छा था। मुझे यहां आने की उम्मीद नहीं थी। माहौल अद्भुत था और मैंने इस पल का पूरा आनंद लिया।'

मनोरंजन

'डायन' कहकर ठुकराया गया, बॉलीवुड के दरवाजे बंद हुए, लगा था कि एक्टिंग नहीं कर पाएंगी, अब 7 साल बाद वापसी

34 की हुई रिया चक्रवर्ती

नई दिल्ली, एजेंसी

एक समय था जब रिया चक्रवर्ती फिल्मों से ज्यादा विवादों की वजह से चर्चा में थीं। उनसे जुड़ी खबरों में एक्टिंग कम और आरोप, बहस, ट्रोलिंग और जांच ज्यादा दिखाई देती थी। लेकिन इस कहानी की शुरुआत वहां से नहीं होती। इसकी शुरुआत एक ऐसी लड़की से होती है जो आर्मी परिवार से मुंबई आई थी और एक्ट्रेस बनना चाहती थी।

फिर रास्ते में रिजेक्शन मिला। यशराज की फिल्म हाथ से निकल गई। बॉलीवुड में फ्लॉप का ठप्पा लगा। महेश भट्ट के साथ रिश्तों पर सवाल उठे। फिर 2020 आया और जिंदगी पूरी तरह बदल गई। 27 दिन जेल, काम बंद हुआ, सोशल मीडिया ट्रायल, मानसिक संघर्ष और यह एहसास कि शायद अब कभी कैमरे के सामने लौटना नहीं होगा।

रिया ने नए सिरे से शुरुआत की। बिजनेस शुरू किया, अपना मंच बनाया और अब कई साल बाद फिर एक्टिंग में वापसी की तैयारी कर रही हैं। यह सिर्फ कमबैक नहीं, बल्कि दूसरे अध्याय की कहानी है।

2020 में उनकी जिंदगी का सबसे बड़ा मोड़ आया। सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद उनका नाम चर्चाओं में आ गया।

बॉलीवुड में एंट्री मिली, लेकिन सफलता नहीं

रिया ने 2013 में 'मेरे डैड की मारुति' से बॉलीवुड डेब्यू किया। इसके बाद 'सोनाली केबल', 'बैंक चोर', 'जलेबी' और 'चेहरे' में काम किया। उनका शुरुआती करियर संघर्षपूर्ण रहा। ज्यादातर फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रहीं। धीरे-धीरे धारणा बनी कि वह स्क्रीन पर अच्छी दिखती हैं लेकिन फिल्में सफल नहीं होतीं। ऐसे टैग लंबे समय तक असर डालते हैं।

आर्मी परिवार की लड़की जिसने ग्लैमर इंडस्ट्री चुनी

1 जुलाई 1992 को बेंगलुरु में जन्मीं रिया चक्रवर्ती एक आर्मी परिवार से आती हैं। उनके पिता लेफ्टिनेंट कर्नल इंद्रजीत चक्रवर्ती भारतीय सेना में रहे। परिवार का बैकग्राउंड फिल्मी नहीं था। उन्होंने कम उम्र में तय कर लिया था कि उन्हें कैमरे के सामने काम करना है।

उन्होंने करियर की शुरुआत टीवी से की। 2009 में MTV Teen Diva में हिस्सा लिया। वह शो नहीं जीत सकीं, लेकिन रनरअप रहीं और यहीं से पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने MTV में VJ के तौर पर काम शुरू किया और युवाओं के बीच पहचान बनाई।

गिरफ्तारी और 27 दिन जेल

ड्रग्स से जुड़े मामले में जांच एजेंसी की कार्रवाई के दौरान रिया को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने लगभग 27 दिन जेल में बिताए। बाद में उन्हें अदालत से जमानत मिली और वह बाहर आईं। कानूनी रूप से जमानत किसी मामले के अंतिम निष्कर्ष के बराबर नहीं होती, लेकिन उस समय यह उनके लिए निजी तौर पर बड़ा मोड़ था। जेल का अनुभव उनकी जिंदगी का सबसे कठिन अनुभव था। रिया ने बताया था कि जेल में रहना आसान नहीं था। उन्होंने कहा था कि वहां जाकर उन्हें लगा जैसे उनकी पहचान उनसे छीन ली गई हो। उन्होंने कहा- आप धीरे-धीरे अपने नाम से नहीं, एक नंबर से पहचाने जाने लगते हैं। लेकिन इसी दौरान उन्होंने कुछ ऐसी चीजें भी देखीं जिन्होंने उनकी सोच बदल दी। उन्होंने कहा कि जेल में रहने वाली कई महिलाएं बहुत कम चीजों में भी खुशी ढूंढ लेती थीं। उन्हें महसूस हुआ कि बाहर की दुनिया में लोग बहुत कुछ होने के बाद भी असंतुष्ट रहते हैं।

मेरे डैड की मारुति (2013)

रिया ने इंडस्ट्री में जगह बनाने के लिए ऑडिशन दिए। यशराज की फिल्म 'बैंड बाजा बारात' के लिए भी ऑडिशन दिया, लेकिन चयन नहीं हुआ। बाद में फिल्म हिट साबित हुई। यह शुरुआती रिजेक्शन था, लेकिन उन्होंने दूसरा रास्ता चुना। उन्होंने तेलुगु फिल्म 'तुनीगा तुनीगा' से शुरुआत की और बाद में हिंदी फिल्मों की तरफ बढ़ीं।

सोनाली केबल (2014)

बैंक चोर (2017)

हाफ गर्लफ्रेंड (2017)

जलेबी (2018)

चेहरे (2021)

'जलेबी' के बाद चर्चा बढ़ी, महेश भट्ट के साथ तस्वीरों पर सवाल उठे

रिया के करियर में 'जलेबी' एक अहम फिल्म मानी गई। यह फिल्म भट्ट कैंप से जुड़ी थी और इसी दौरान रिया और फिल्ममेकर महेश भट्ट की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुईं। इसके बाद दोनों के रिश्ते को लेकर कई तरह की चर्चाएं और दावे होने लगे। हालांकि रिया ने सार्वजनिक रूप से इन बातों को खारिज किया और कहा कि महेश भट्ट उनके लिए पिता समान हैं। लेकिन सोशल मीडिया पर चल रही चर्चा लंबे समय तक उनका पीछा करती रही।

नेहा धूपिया ने पैपराजी पर भड़कते हुए चेतावनी दी

गलत एंगल से वीडियो लेने पर कहा- बंद करो ये सब, एक्ट्रेस का वीडियो वायरल हुआ था

नई दिल्ली। गोल्ड स्ट्रीमिंग अवॉर्ड सेरेमनी में नेहा धूपिया पैपराजी पर भड़क गई हैं। एक्ट्रेस ने बैक शॉट लेने और उन्हें पोस्ट करने पर नाराजगी जाहिर की और पैपराजी को कड़े शब्दों में वॉर्निंग भी दी।

सेरेमनी से नेहा धूपिया अवॉर्ड लेकर निकल रही थीं। तभी पैपराजी ने उनके ग्रे हेयर पर कमेंट किया, जिसके जवाब में भड़कते हुए उन्होंने कहा है, 'बोल लिया? कर लिया? ये बदतमीजी से बैक शॉट कौन लेता है तुम लोगों में से? कौन लेता है? छापता कौन है? मत करो। मेरा नहीं करना है, किसी का नहीं करना है। बोल-बोलकर थक गए हैं।'

आगे एक्ट्रेस ने कहा, 'हम लोगों

का काम नहीं है ये। हम बाहर आते हैं, तो आप लोग वहां ये सब करते हैं, बैग उठाकर, बुक उठाकर, पीछे से चलते हुए, ये सब नहीं चलेगा अभी। बंद करो ये सब। बहुत इज्जत से आप लोगों से बात करते हैं, ये सब मत करो। मत करो, बिल्कुल ये सब मत करो।' बता दें कि कुछ समय पहले ही नेहा धूपिया का सोनाक्षी सिन्हा और जहीर के साथ रनिंग करते हुए एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें उनके बैक शॉट का इस्तेमाल हुआ था।

कुछ समय पहले ही मलाइका अरोड़ा का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वो पैपराजी पर गुस्सा करती दिखी थीं। दरअसल, एक इवेंट के बाद मलाइका एक शख्स से बात कर रही थीं, लेकिन पैपराजी प्राइवेसी देने के बजाए लगातार उनका वीडियो ले रहे थे। ये देख एक्ट्रेस भड़क गईं और कहा- इधर ही आ जाओ।

माफी मांगने के लिए पैरों पर गिर गई थीं कश्मीरा

सुनीता आहूजा सुलह पर बोलीं- रो-रोकर माफी मांगी

नई दिल्ली। इन दिनों रियलिटी शो लॉक अप में नजर आ रहीं गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा ने कृष्णा अभिषेक और कश्मीरा शाह से हुई सुलह पर बड़ा दावा किया है। उनका कहना है कि कश्मीर शाह ने उनके पैरों पर गिरकर माफी माफी मांगी थी, जिसके बाद उनका 15 साल पुराना झगड़ा खत्म हुआ है। इस पर कृष्णा अभिषेक और कश्मीरा का रिएक्शन

भी सामने आया है। लॉक अप शो में सुनीता आहूजा ने भांजे कृष्णा से पैच-अप होने पर को-कंटेस्टेंट माधुरी से कहा, 'लाफ्टर शो में उनके राइटर ने जो लिखकर दिया, मैंने वही कहा। शो में मेरा और कृष्णा का 15 साल बाद पैच-अप हुआ। उसके बच्चे 9 साल के हो गए, मैंने देखे नहीं थे, जबकि मैंने उसको (कृष्णा) पाल-पोसकर बड़ा किया है।'आगे सुनीता ने कहा, 'कश्मीरा एक अच्छी लड़की है। पैर पर गिरकर रो-रोकर माफी मांगी है। मैं भी रोने लगी। 14 साल बाद मैं उन्हें देख रही थी। कश्मीरा मेरे पैरों पर थी और बोल रही थी मुझे माफ कर दीजिए, मुझसे गलती हो गई।'

कन्नड़ एक्ट्रेस के साथ बेंगलुरु में छेड़छाड़

नई दिल्ली। 'बिग बॉस कन्नड़' की पूर्व कंटेस्टेंट और एक्ट्रेस दिव्या सुरेश ने बेंगलुरु में देर रात अपने साथ हुई कथित छेड़छाड़ की घटना शेयर की। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि यह घटना रविवार रात करीब 11:30 बजे हुई, जब वह अपनी कजिन के साथ कार की ओर जा रही थीं।

दिव्या ने इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा कि एक अज्ञात व्यक्ति उनका पीछा करने लगा और उनके सामने अश्लील हरकतें करने लगा। उन्होंने बताया कि उन्होंने और उनकी कजिन ने तुरंत उसे टोका, लेकिन वह नहीं रुका और उनके कार में बैठने तक उनका पीछा करता रहा।

दिव्या ने कहा कि केवल रात में सड़क पर चलने की वजह से किसी भी महिला को इस तरह के उत्पीड़न का सामना नहीं करना चाहिए। उन्होंने अपनी पोस्ट में बेंगलुरु पुलिस को टैग करते हुए सवाल किया, जिस सुरक्षा का हमें बार-बार भरोसा दिया जाता है, वह कहां है?

जापान की पीएम ताकाइची भारत के लिए रवाना

दौरा

आज दिल्ली पहुंचेंगी, मोदी के साथ शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगी

नई दिल्ली, एजेंसी

जापान की प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची बुधवार को तीन दिन के भारत दौरे के लिए टोक्यो से नई दिल्ली रवाना हो गईं। प्रधानमंत्री बनने के बाद यह उनका पहला आधिकारिक भारत दौरा है।

भारत पहुंचने के बाद ताकाइची 16वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगी। इस दौरान उनकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता होगी। दोनों नेता निवेश, व्यापार, सेमीकंडक्टर, महत्वपूर्ण खनिज, मजबूत सप्लाई चेन, समुद्री सुरक्षा और रक्षा सहयोग जैसे मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

यह दौरा 1 से 3 जुलाई तक चलेगा। विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस बैठक में दोनों देश अपने रणनीतिक और आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने पर भी जोर देंगे।

यह दौरा अगस्त 2025 में प्रधानमंत्री मोदी के जापान दौरे के बाद हो रहा है और दोनों देशों की विशेष रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने की दिशा में अहम माना जा रहा है।स्थानीय मुद्राओं के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए जापान का वित्त मंत्रालय वित्त वर्ष 2026 के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के साथ एक सहयोग समझौता (MoC) करने की तैयारी में है।

यह प्रस्ताव पूरी तरह नया नहीं है। अगस्त 2025 में प्रधानमंत्री मोदी की जापान यात्रा के दौरान दोनों देशों ने अगले 10 वर्षों के लिए साझा विजन दस्तावेज जारी किया था। उसमें भी पेमेंट सिस्टम और स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने की बात कही गई थी।

डॉलर पर निर्भरता घटेगी

अगर भारत और जापान के बीच भुगतान से जुड़ा ये प्रस्ताव लागू होता है तो दोनों देशों के बीच पहली बार स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को लेकर औपचारिक व्यवस्था बनेगी। इस योजना के तहत जापानी कंपनियां भारत के बैंकों में विशेष खाते खोलकर सीधे रुपए और येन में लेनदेन कर सकेंगी। यानी लेनदेन के लिए अमेरिकी डॉलर या किसी तीसरे देश के बैंक की जरूरत नहीं पड़ेगी।

भारत-जापान में डॉलर के बिना व्यापार की तैयारी

भारत और जापान व्यापार में अमेरिकी डॉलर की भूमिका कम करने की तैयारी कर रहे हैं। निक्की एशिया की रिपोर्ट के मुताबिक दोनों देश ऐसी व्यवस्था बनाने पर काम कर रहे हैं, जिससे कारोबार का भुगतान सीधे भारतीय रुपए और जापानी येन में हो सके। इस प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची की नई दिल्ली में होने वाली बैठक के बाद ऐलान किया जा सकता है। साने ताकाइची आज 3 दिन के भारत दौरे पर आ रही हैं। प्रधानमंत्री बनने के बाद यह उनका पहला भारत दौरा होगा। दोनों नेताओं के बीच होने वाले 16वें भारत-जापान सलाना शिखर सम्मेलन में व्यापार, निवेश, रक्षा, सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑटोमोबाइल, सप्लाई चेन और हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा जैसे कई अहम मुद्दों पर चर्चा होगी।

भारत पहले से बढ़ा रहा रुपए में कारोबार

संसद में सरकार ने बताया था कि अब तक 30 देशों के 123 विदेशी बैंकों के लिए भारत के 26 बैंकों में 156 विशेष रुपया वोस्त्रो खाते खोले जा चुके हैं। RBI का कहना है कि इससे अंतरराष्ट्रीय व्यापार में मजबूत विदेशी मुद्राओं पर निर्भरता कम होगी और रुपए का वैश्विक इस्तेमाल बढ़ेगा।

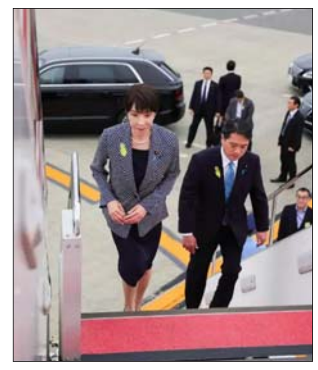

तस्वीर ताकाइची के भारत रवाना होने की है।

ब्राजील में फोटो खिंचवाने के तुरंत बाद 500 फीट नीचे गिरने से हाइकर की मौत

ब्रासीलिया, एजेंसी

ब्राजील में एक बेहद दिल दहला देने वाला वाकया सामने आया है। यहां एक मशहूर टूरिस्ट स्पॉट पर फोटो खिंचवाने के तुरंत बाद एक 44 वर्षीय व्यक्ति का संतुलन बिगड़ गया और वह करीब 500 फीट गहरी खाई में जा गिरा। इस हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

मृतक की पहचान कायो रोचा एगुइयार अराबल के रूप में हुई है। यह घटना रियो डी जेनेरियो के पास मारिका में मौजूद 'पेड्रा दो माकाको' ट्रेक पर रविवार को हुई।

जानकारी के मुताबिक, कायो पहाड़ी की चोटी पर एक ऐसी चट्टान पर चढ़कर फोटो खिंचवा रहे थे, जहां से नीचे की झीलों का खूबसूरत नजारा दिखता है। यह जगह बेहद खतरनाक मानी जाती है, फिर भी लोग यहाँ आकर तस्वीरें खिंचवाते हैं। चश्मदीदों ने बताया कि कायो ने जैसे ही फोटो खिंचवाना खत्म किया और नीचे उतरने की कोशिश की, तभी उनका पैर फिसल गया। उनके साथ मौजूद एक साथी ट्रेकर इस पूरी घटना का वीडियो बना रहा था। वीडियो में वह कायो को ध्यान से, संभलकर रहने की चेतावनी देता सुनाई दे रहा है, लेकिन अगले ही पल कायो का संतुलन बिगड़ गया और वह नीचे गिर गए। वीडियो में गवाह की चीखें भी रिकॉर्ड हुई हैं।

स्थानीय प्रशासन ने बताया कि कायो उस दिन ट्रेकर्स के एक ग्रुप के लिए गाइड का काम कर रहे थे, जबकि उनके पास इसका कोई कानूनी लाइसेंस नहीं था। जांच अधिकारियों का मानना है कि फोटो खिंचवाने के बाद वे चट्टान के उस हिस्से से नीचे उतरने की कोशिश कर रहे थे जो बहुत ज्यादा सीधा और ढलान वाला था। गलत रास्ते से उतरने की वजह से ही उनका संतुलन बिगड़ा।

फास्ट न्यूज

'यूरोप तपे तो सहानुभूति, भारत झुलसे तो मजाक क्यों'

नई दिल्ली। भारत में रह रही पोलैंड की कंटेंट क्रिएटर एग्निएस्का हड्डा का एक सोशल मीडिया पोस्ट तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो पोस्ट में महिला ने जलवायु संकट को लेकर पश्चिमी मीडिया और वैश्विक सोशल मीडिया यूजर्स के दोहरे मापदंड की धज्जियां उड़ाई हैं। कंटेंट क्रिएटर एग्निएस्का हड्डा ने सवाल उठाया है कि जब यूरोप में 35 डिग्री तापमान होने पर स्कूल बंद हो जाते हैं और लोग पार्कों या समुद्र तटों पर सोते हैं, तो पूरी दुनिया उनके प्रति सहानुभूति दिखाती है।

पेट्रोकेमिकल्स के इम्पोर्ट पर जीरो कस्टम-ड्यूटी 15 जुलाई तक बढ़ी

नई दिल्ली। सरकार ने 30 जून को लगभग 40 जरूरी पेट्रोकेमिकल प्रोडक्ट्स के इम्पोर्ट पर जीरो कस्टम ड्यूटी को 15 दिनों के लिए बढ़ा दिया है। अब यह राहत 15 जुलाई तक लागू रहेगी। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और ईरान युद्ध के कारण ग्लोबल सप्लाई चेन में आई रुकावटों के बीच घरेलू उद्योगों को स्थिरता देने के लिए यह कदम उठाया गया है।

यह फुल कस्टम ड्यूटी छूट पहली बार 2 अप्रैल को एक अस्थायी राहत उपाय के रूप में शुरू की गई थी।

'तो बर्बाद हो जाएगी पूरी

इस्लामाबाद। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पिछले साल हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि रद कर दी थी। भारत के इस फैसले का सीधा असर पाकिस्तान पर पड़ा।

सिंधु जल संधि पर इस्लामाबाद में आयोजित सेमिनार में पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री इशाक डार, पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (PPP) के नेता बिलावल भुट्टो और पाकिस्तानी मंत्री मुसादिक मलिक ने भारत का नाम लिए बिना धमकी दी है।

जून में 1.94 लाख करोड़ जीएसटी कलेक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी

■ पिछले साल से 14% ज्यादा, अप्रैल में रिकॉर्ड 2.42 लाख करोड़ का कलेक्शन रहा था

जून 2026 में 1.94 लाख करोड़ रुपए का GST कलेक्शन हुआ है। यह अप्रैल के रिकॉर्ड 2.42 लाख करोड़ रुपए के मुकाबले 20% कम है। हालांकि पिछले साल की समान अवधि यानी जून 2025 से 14% ज्यादा है।

जून 2025 में 1.71 लाख करोड़ का जीएसटी कलेक्शन हुआ था। सरकार ने आज यानी 1 जुलाई को GST कलेक्शन के आंकड़े जारी किए। जून महीने में GST कलेक्शन की ग्रोथ मुख्य रूप से इंपोर्ट पर निर्भर रही। इंपोर्टेड गुड्स से होने वाला ग्रॉस GST रेवेन्यू सालाना आधार पर 35% बढ़कर 60,038 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। वहीं, दूसरी तरफ घरेलू ट्रांजैक्शन से होने वाली ग्रॉस घरेलू कमाई में 6.5% की तेजी आई और यह 1.34 लाख करोड़ रुपए रही।

जीएसटी कलेक्शन यह बताता है कि देश की अर्थव्यवस्था कितनी तंदुरुस्त है। अगर कलेक्शन ज्यादा है, तो इसका मतलब है कि लोग जमकर खरीदारी कर रहे हैं, फैक्ट्रियों में उत्पादन बढ़ रहा है और लोग ईमानदारी से टैक्स भर रहे हैं। GST रिफंड क्या है: जब कोई कंपनी अपनी देनदारी से ज्यादा टैक्स चुका देती है या एक्सपोर्ट करती है, तो सरकार उसे टैक्स वापस करती है, जिसे रिफंड कहते हैं।

लोग बोले- हम पाकिस्तान का हिस्सा नहीं, 1 करोड़ का इनामी शौकत नवाज गिरफ्तार

पीओके में प्रदर्शन

आंदोलन

■ महंगाई से शुरू हुआ आंदोलन, अब राजनीतिक मुद्दा बना

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (PoK) में पाकिस्तान सरकार के खिलाफ प्रदर्शन तेज हो गए हैं। मंगलवार को रावलकोट के ईदगाह ग्राउंड में हजारों लोग जुटे। उन्हेंने कहा कि PoK पाकिस्तान का हिस्सा नहीं है। यह आंदोलन जम्मू-कश्मीर अवामी एक्शन कमेटी (JAAC) की अगुआई में चल रहा है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, JAAC के प्रमुख नेता शौकत नवाज मीर को दो साथियों के साथ धीरकोट के सांगर फत्तारे इलाके से गिरफ्तार कर लिया गया। PoK में JAAC के 600 से ज्यादा नेता और कार्यकर्ताओं को भी हिरासत में लिया गया है।

शौकत नवाज मीर समेत JAAC के नेताओं की गिरफ्तारी की सूचना देने वालों के लिए पाकिस्तान सरकार ने 1 करोड़ के इनाम की घोषणा की थी। रिपोर्ट के मुताबिक, आंदोलन महंगाई, खाद्य संकट, बढ़ती कीमतों और स्थानीय प्रशासन के मुद्दों को लेकर शुरू हुआ था। अब यह पाकिस्तान सरकार के खिलाफ राजनीतिक विरोध का रूप ले चुका है। हाल ही में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने रावलकोट और मीरपुर के लोगों को 'असल कश्मीरी नहीं' बताया था। इसके बाद विरोध और बढ़ गया।

रिपोर्ट के मुताबिक, JAAC के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं पर आतंकवाद विरोधी कानून के तहत केस भी दर्ज किए गए हैं। सरकार ने 5 जून को JAAC पर आतंकवाद विरोधी कानून के तहत प्रतिबंध लगा दिया था। इसके बाद से इलाके में तनाव लगातार बढ़ रहा है।

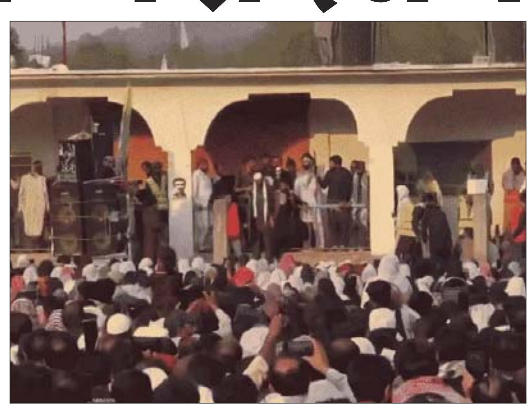

■ रावलकोट के ईदगाह ग्राउंड में मंगलवार को हजारों प्रदर्शनकारी जुटे थे। (यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है।)

प्रदर्शनकारी बोले- हमें नहीं, पाकिस्तान को हमारी जरूरत

प्रदर्शन के दौरान JAAC नेता सरदार अमन खान ने कहा, 'हमें आपके राशन की जरूरत नहीं, आपको हमारी जरूरत है। अगर जरूरी सामान की सप्लाई बंद रही तो लोग जिंदा रहने के लिए दूसरा रास्ता चुनने को मजबूर होंगे।'

उनका आरोप है कि पाकिस्तान सरकार आंदोलन को दबाने के लिए जानबूझकर जरूरी सामान की सप्लाई रोक रही है।

इंटरनेट बंद, 22 मौतों का दावा

रिपोर्ट के मुताबिक, जून की शुरुआत से PoK के कई इलाकों में इंटरनेट सेवाएं सीमित हैं। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि आंदोलन की तस्वीरें और वीडियो बाहर जाने से रोकने के लिए ऐसा किया गया है। पिछले दो हफ्तों में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़पों में कम से कम 22 लोगों की मौत हुई है।

" गिलगित-बाल्टिस्तान के बाद 27 जुलाई को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराए जाएंगे। पीओके की विधानसभा में कुल 53 सीटें हैं। इनमें से 45 सीटों पर सीधे चुनाव होता है, जबकि 8 सीटें महिलाओं, तकनीकी विशेषज्ञों और धार्मिक विद्वानों के लिए आरक्षित हैं।

ईरान ने लिखा- आपका आना आपसी सम्मान का प्रतीक, 2 करोड़ लोगों के पहुंचने का अनुमान

जैन मुनि को खामेनेई के अंतिम संस्कार का न्योता

तेल अवीव, एजेंसी

जैन संत और अहिंसा विश्व भारती के संस्थापक आचार्य लोकेश मुनि को ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के राजकीय अंतिम संस्कार में शामिल होने का औपचारिक निमंत्रण मिला है। यह कार्यक्रम 4 और 5 जुलाई को तेहरान में होगा।

ईरान के सर्वोच्च नेता के कार्यालय की ओर से भेजे गए निमंत्रण पत्र में कहा गया है कि भारत और ईरान के ऐतिहासिक रिश्तों को देखते हुए आचार्य लोकेश मुनि की मौजूदगी दोनों देशों के बीच गहरे सम्मान और मित्रता का प्रतीक होगी। ईरानी मीडिया के मुताबिक, अंतिम संस्कार में 1.2 करोड़ से 2 करोड़ लोगों के शामिल होने का अनुमान है। इसी वजह से पूरे तेहरान में सुरक्षा, परिवहन, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य व्यवस्थाओं के विशेष इंतजाम किए गए हैं। शहर में कई मार्गों पर वाहनों की आवाजाही भी सीमित रहेगी।

भारत सरकार की ओर से बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैय्यद अता हसनैन और विदेश राज्य मंत्री पवित्रा मार्गेरिटा भी अंतिम संस्कार में शामिल होंगे।

■ जैन संत आचार्य लोकेश मुनि को पूर्व ईरानी सुप्रीम लीडर खामेनेई के अंतिम संस्कार का न्योता मिला है।

रिपोर्ट- दोहा जाने से बच रहे ईरान के बड़े नेता

अमेरिका-ईरान समझौते (MoU) की शर्तें लागू होने में देरी के बीच ईरान के शीर्ष नेता दोहा जाने से बच रहे हैं। मिडिल ईस्ट इंस्टीट्यूट के वरिष्ठ शोधकर्ता एलेक्स वातांका ने दावा किया कि ईरान में अब इस समझौते को लेकर नाराजगी बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि ईरान के भीतर लोग सवाल उठा रहे हैं कि विदेशों में फंसी ईरानी संपत्तियां अब तक क्यों नहीं मिलीं, होर्मुज जलडमरूमध्य पर पूरा नियंत्रण क्यों नहीं मिला और इजराइल अब भी लेबनान में क्यों मौजूद है।

वातांका के मुताबिक, कुछ लोगों का मानना है कि विदेश मंत्री अब्बास अराघची और संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकर गालीबाफ ट्रम्प प्रशासन पर जरूरत से ज्यादा भरोसा कर रहे हैं, जबकि अमेरिका अपने वादे पूरे नहीं भी कर सकता है।

कतर में अमेरिका-ईरान की तकनीकी वार्ता शुरू

कतर की राजधानी दोहा में अमेरिका और ईरान के बीच तकनीकी स्तर की बातचीत शुरू हो गई है। अल जजीरा के मुताबिक, यह बातचीत अमेरिका-ईरान के बीच हुए MoU को लागू करने के तहत हो रही है।

बातचीत के लिए तीन अलग-अलग वर्किंग ग्रुप बनाए गए हैं। इनमें ईरान के परमाणु कार्यक्रम, कूटनीतिक मुद्दों और विदेशों में फ्रीज ईरानी संपत्तियों की वापसी और वित्तीय मामलों पर चर्चा हो रही है।

ईरान ने जैन मुनि लोकेश खामेनेई के अंतिम संस्कार का न्योता दिया

जैन संत और अहिंसा विश्व भारती के संस्थापक आचार्य लोकेश मुनि को ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के राजकीय अंतिम संस्कार में शामिल होने का औपचारिक निमंत्रण मिला है। यह निमंत्रण ईरान के सर्वोच्च नेता के कार्यालय की ओर से भेजा गया है। निमंत्रण पत्र में भारत और ईरान के ऐतिहासिक संबंधों का जिक्र करते हुए कहा गया है कि आचार्य लोकेश मुनि की मौजूदगी दोनों देशों की दोस्ती और आपसी सम्मान का प्रतीक होगी।

ईरान बोला- होर्मुज हमारी सबसे बड़ी ताकत, पीछे नहीं हटेंगे

ईरान ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट उसकी सबसे बड़ी ताकत है और इस पर उसका अधिकार बना रहेगा। ईरानी संसद स्पीकर मोहम्मद बाकर गालीबाफ ने कहा कि अमेरिका के साथ हुए समझौता ज्ञापन (MoU) में समुद्री सेवाओं के टोल में 60 दिनों की छूट सिर्फ अस्थायी व्यवस्था है। ईरानी सरकारी मीडिया से बातचीत में गालीबाफ ने कहा कि होर्मुज ईरान के क्षेत्रीय जल का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका यह कहकर विवाद पैदा नहीं कर सकता कि ईरान ने इस स्ट्रेट का सैन्यीकरण कर दिया है। गालीबाफ ने कहा, ₹ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट पर अपना अधिकार नहीं छोड़ा है। इसमें कोई बदलाव नहीं होगा।

फैसला : सुप्रीम कोर्ट ने ट्रम्प का आदेश रद्द किया, कहा- देश में जन्मा हर बच्चा अमेरिकी नागरिक होगा

अमेरिका में जन्मजात नागरिकता कानून बरकरार

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बड़ा संवैधानिक फैसला सुनाते हुए कहा कि अमेरिका में जन्म लेने वाला हर बच्चा जन्म से अमेरिकी नागरिक होगा, चाहे उसके माता-पिता देश में अवैध रूप से रह रहे हों या फिर अस्थायी वीजा पर आए हों।

अदालत ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उस कार्यकारी आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें ऐसे बच्चों को जन्म से नागरिकता देने से इनकार किया गया था। यह फैसला 5-4 के बहुमत से आया। मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ने बहुमत का फैसला लिखा। अमेरिका में पिछले 158 साल से यह व्यवस्था लागू है कि वहां जन्म लेने वाला हर बच्चा अपने जन्म के साथ ही अमेरिकी नागरिक बन जाता है। यह अधिकार अमेरिकी संविधान के 14वें संशोधन में दिया गया है। 1 अप्रैल को ट्रम्प इस मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट में मौजूद रहे। किसी मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति का सुप्रीम कोर्ट में इस तरह सुनवाई के दौरान मौजूद रहना बेहद दुर्लभ माना जाता है।

अगर ट्रम्प का यह आदेश लागू हो जाता, तो हर साल अमेरिका में जन्म लेने वाले करीब 2.5 लाख बच्चों की कानूनी स्थिति प्रभावित होती। साथ ही परिवारों को अपने नवजात बच्चे की नागरिकता तय कराने के लिए माता-पिता की नागरिकता और इमिग्रेशन स्थिति के दस्तावेज भी देने पड़ते। यह फैसला ट्रम्प के लिए इसलिए भी बड़ा झटका माना जा रहा है क्योंकि उन्होंने अपने चुनाव प्रचार के दौरान इसे खत्म करने का वादा किया था। 1865 में अमेरिकी गृहयुद्ध खत्म होने के बाद, जुलाई 1868 में अमेरिकी संसद में 14वें संशोधन को मंजूरी दी गई थी। इसमें कहा गया था कि देश में पैदा हुए सभी अमेरिकी नागरिक हैं।

शपथ लेने के कुछ घंटे बाद ही जारी किया था आदेश

ट्रम्प ने अपने शपथ ग्रहण वाले दिन यानी 20 जनवरी 2025 को एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन कर बर्थ राइट सिटीजनशिप पर रोक लगा दी थी। इसके कुछ ही दिन बाद कई संघीय (फेडरल) जिला अदालतों ने इस आदेश पर अस्थायी रोक लगा दी। यानी ट्रम्प का आदेश लागू ही नहीं हो सका। हालांकि उस समय बर्थराइट सिटिजनशिप पर रोक नहीं लगी थी, बल्कि ट्रम्प के आदेश पर रोक लगी थी। इसके बाद फिर मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। सुप्रीम कोर्ट ने अब अंतिम फैसला देते हुए कहा कि 14वां संशोधन जन्मजात नागरिकता की गारंटी देता है। इसलिए ट्रम्प का आदेश असंवैधानिक है और उसे रद्द कर दिया।

■ ट्रम्प ने 20 जनवरी को एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन कर जन्मजात नागरिकता के अधिकार पर रोक लगाई थी।

पिछले 6 महीने में सोना 20% और चांदी 43% सस्ती सेंसेक्स 11% और निफ्टी 8.6% गिरा

नई दिल्ली, एजेंसी

साल के पहले छह महीने निवेशकों के लिए उतार-चढ़ाव भरे रहे। इस दौरान 29 जनवरी के रिकॉर्ड स्तर से सोना करीब 20% और चांदी 43% तक सस्ती हो गई। वहीं, सेंसेक्स में 11% और निफ्टी में 8.6% की गिरावट दर्ज की गई। मजबूत डॉलर और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरें कम न करने के संकेत से सोने-चांदी पर दबाव बना। दूसरी ओर, अमेरिका-ईरान जंग से शेयर मार्केट दबाव में रहा। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नए चेयरमैन केविन वॉर्श के सख्त रुख के बाद निवेशकों को ब्याज दरों में जल्द राहत की उम्मीद कम हो गई। इसका असर सोने की मांग पर पड़ा। ईरान जंग से तनाव के कारण ग्लोबल ग्रोथ और बढ़ती महंगाई के कारण शेयर मार्केट का सेंटिमेंट कमजोर हुआ। केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया का कहना है कि शॉर्ट टर्म में ETF से निकासी और उतार-चढ़ाव की वजह से सोने में 2% से 5% तक और गिरावट आ सकती है।

हालांकि, साल के अंत तक इसमें 12% से 15% की तेजी आने की उम्मीद है। इक्विनॉमिक्स रिसर्च प्रा. लि. के संस्थापक जी. चोकालिंगम का कहना है कि अगले छह महीनों में स्मॉलकैप और मिडकैप शेयर, सेंसेक्स और निफ्टी जैसे लार्जकैप शेयरों से बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं। मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96